mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-109 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

22 अप्रैल 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

लॉस एंजिल्स ओलंपिक...

@ पेज 7

दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों की बदली गई ड्यूटी की टाइमिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बीते कुछ दिनों में बारिश की वजह से प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। वहीं दिल्ली के लोगों ने भी राहत की सांस ली है। ऐसे में अब दिल्ली नगर निगम में काम करने वाले

● अब इस समय पर जाना होगा ऑफिस

अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी के समय में बदलाव किया गया है। कुछ महीने पहले जब प्रदूषण की समस्या दिल्ली में अधिक बढ़ गई थी तो कर्मचारियों और अधिकारियों का समय बदला गया था, जिसे अब एक बार फिर बदला गया है। बता दें कि

सर्दियों के समय में विभिन्न कारणों की वजह से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया था।

दरअसल, दिल्ली में प्रदूषण का लेवल कम होने के बाद दिल्ली के एलजी ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी के समय में किया बदलाव। दिल्ली सरकार के अधिकारी जो पहले 10 बजे से 6ः30 बजे तक ड्यूटी करते थे, वो अब 9ः30 बजे दफ्तर में पहुंचेंगे और 6 बजे उनकी छुट्टी होगी। वहीं निगम के अधिकारी जो सुबह 8ः30 से शाम 5 बजे तक ड्यूटी करते थे, वो अब 9 बजे ड्यूटी पर आएंगे और 5ः30 बजे उनकी छुट्टी होगी। दिल्ली एलजी ने यह फैसला प्रदूषण का स्तर कम होने के चलते लिया है। दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में पिछले लंबे वक्त से कमी देखी गई है।

बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया है कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अब पहले से ठीक हुआ है। रविवार शाम को शहर की एयर क्वालिटी को मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया है। इस समय एक्यूआई 140 रहा। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

चीन और अमेरिका के बीच बढ़ी तनातनी

हांगकांग (एजेंसी)। चीन और अमेरिका के बीच संबंधों में तल्खियां बढ़ती जा रही हैं। चीन की तरफ से सोमवार को ऐलान किया कि वह उन अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं (हूबहू) के प्रमुखों पर प्रतिबंध लगाएगा जिन्होंने हांगकांग से जुड़े मामलों में भूमिका ठीक से नहीं निभाई है। यह फैसला अमेरिका की ओर से मार्च में छह चीनी और हांगकांग अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने के जवाब में लिया गया है। अमेरिका ने इन अधिकारियों पर ÷अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमन÷ और हांगकांग की स्वायत्तता को

कमजोर करने के आरोप लगाए थे। इनमें न्याय मंत्री पॉल लैम, सुरक्षा निदेशक डोंग जिंगवेई और पूर्व पुलिस आयुक्त रेमंड सिउ शामिल हैं। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिका की जमकर आलोचना की है। जियाकुन ने तल्ख टिप्पणी करते हुए अमेरिका के कदम को घृणित तक बताया है। उन्होंने कहा कि यह हांगकांग के मामलों में गंभीर हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि हांगकांग, चीन का आंतरिक मामला है और किसी भी बाहरी दखल का चीन सख्ती से जवाब देगा। गुओ जियाकुन ने बताया कि यह कार्रवाई चीन के %विदेश रोधी प्रतिबंध कानून% के तहत की जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन अमेरिकी व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। यह ताजा विवाद ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव पहले से ही चरम पर है। चीन ने अन्य देशों को भी चेतावनी दी है कि वो अमेरिका से ऐसे व्यापारिक समझौते ना करें जो चीन के हितों के खिलाफ हों।

मंगल ग्रह पर मिली रहस्यमयी खोपड़ी जैसी चट्टान

अमेरिका (एजेंसी)। नासा के मार्स रोवर ने लाल ग्रह पर एक रहस्यमयी, खोपड़ी के आकार की चट्टान की तस्वीर खींची है। इस चट्टान की उत्पत्ति को लेकर अभी भी निश्चित तौर से कुछ भी नहीं कहा जा

सकता है। इस रहस्यमयी चट्टान को नासा की ओर से %स्कल हिल% नाम दिया गया है। इसकी खोज 11 अप्रैल को पर्सिवियरेंस रोवर ने जेजेरो क्रेटर रिम पर मास्टकैम-जेड उपकरण का उपयोग करके की थी। हालांकि, चट्टान के आसपास का अधिकांश क्षेत्र हल्के रंग का और धूल भरा है। स्कल हिल का रंग हल्का और चमकदार नजर आ रहा है। इसमें कोंण नजर आ रहे हैं और छोटे गड्ढ भी है। नासा ने कहा, ÷यह चट्टान अपने रंग और कोणीय सतह के साथ आसपास के हल्के रंग से विपरीत नजर आ रही है, चट्टान में कुछ गड्ढे भी हैं÷ चूंकि, चट्टान की उत्पत्ति अभी भी अनिश्चित है इसलिए नासा का मानना ??है कि स्कल हिल पर गड्ढे क्षरण के कारण बने हो सकते हैं। नासा ने कहा कि यह चट्टान किसी क्रेटर से निकलकर यहां तक पहुंच सकती है। यह ज्वालामुखी चट्टान भी हो सकती है। नासा के साइंटिस्टों का कहना है कि स्कल हिल का रंग क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा गेल क्रेटर में पहले खोजे गए उल्कापिंडों से मिलता-जुलता है। नासा ने कहा कि वैज्ञानिक इस चट्टान की उत्पत्ति और इसके यहां पहुंचने के कारणों को समझने के लिए और अध्ययन कर रहे हैं।

विधवा सास के साथ बहू ने की बर्बरता, जंजीरों से बांधकर पिटाई की और भूखा भी रखा

रायगड़ा (एजेंसी)। राजस्थान के जालौर जिले से शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। एक विधवा महिला को नीम के पेड़ से जंजीरों में बांधकर बुरी तरह प्रताड़ित किया गया, जिसका वीडियो सामने आया है। घटना भीनमाल थाना क्षेत्र के मिंडावास गांव की बताई जा रही है। पीड़िता ने अपनी बहू और अन्य परिवारजनों पर मारपीट, मानसिक उत्पीड़न, भूखा रखने

और नीम के पेड़ से बांधकर रातभर छोड़ने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल वीडियो में पीड़िता ने बताया कि तीन दिनों तक उसे भोजन नहीं दिया गया और उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से यातनाएं दी गईं। इस दौरान महिला की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर इसका वीडियो बना लिया और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर बहू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता के अनुसार, उसे नीम के पेड़ से जंजीरों में बांधकर पीटा गया और उसे पूरी रात वहीं छोड़ दिया गया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद करड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता से जानकारी ली और तुरंत कार्रवाई शुरू की। भीनमाल थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के निर्देशन में एएसआई किशनाराम और महिला कांस्टेबल को घटनास्थल पर भेजा गया, जहां उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की।

4 दिनों के भारत दौरे पर पहुंचे, पीएम मोदी और वेंस करेंगे बैठक

पीएम मोदी से मिले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस परिवार समेत भारत की यात्रा पर आए हुए हैं। सोमवार की शाम को जेडी वेंस ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। पीएम मोदी ने जेडी वेंस और उनके परिवार का लोक कल्याण मार्ग पर स्वागत किया है। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस और उनकी पत्नी उषा सोमवार को सुबह 9.30 बजे के करीब नई दिल्ली के पालम एयरबेस पर उतरे। वह 4 दिनों के भारत दौरे पर पहुंचे हैं।

वेंस ने अक्षरधाम मंदिर के दर्शन किए

दिल्ली पहुंचने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, उनकी पत्नी उषा वेंस और उनके बच्चों ने दिल्ली में स्थित प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर के दर्शन किए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के बच्चों ने अनारकली सूट, कुर्ता और पायजामा सहित पारंपरिक भारतीय परिधान पहने हुए देखे गए। जेडी वेंस ने पत्नी उषा के साथ मंदिर में प्रार्थना की।

पीएम मोदी अपने आवास पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में पीएम मोदी और वेंस आपसी व्यापार और टैरिफ, क्षेत्रीय सुरक्षा, दोनों देशों के संबंध आदि पर चर्चा करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी जेडी वेंस के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। बता दें कि वेंस के साथ में वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक डेलिगेशन भी आया है। वहीं, भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर, ह्न अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिसरी आदि इस बैठक में भाग लेंगे।जेडी वेंस और उनका परिवार जयपुर और आगरा की यात्रा पर भी जाएगा। वेंस परिवार के साथ एक विशेष विमान से जयपुर जाएंगे और वहां रामबाग पैलेस होटल में ठहरेंगे। वह मंगलवार को सुबह में जयपुर के आमेर किला पहुंचेंगे और दोपहर तीन बजे आरआईसी में एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके बाद वेंस परिवार के साथ बुधवार को आगरा जाएंगे।

नर्मदापुरम में मां-बेटी की मिली लाश, धारदार हथियार से की गई हत्या

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, यहां शहर की पीली खंती कॉलोनी में मां-बेटी की लाश मिली है। पुलिस ने बताया कि दोनों की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या की गई है। बेटी का शव बाहर गली तो मां का शव आंगन में पड़ा मिला। दोनों की बड़ी ही बेदर्दी से हत्या की गई है। पुलिस ने कहा है कि कुछ लोगों से शक के आधार पर पूछताछ की जा रही, जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, मां का नाम पूजा मौर्य और बेटी का नाम पल्लवी मौर्य है। इस हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है, लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। घटना रविवार शाम की है। सूचना मिलने पर नर्मदापुरम के एसपी गुरकरन सिंह मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे और जांच में जुट गए। पुलिस और एफएसएल अफसर घटना स्थल की बारीकी से जांच कर रहे हैं। हालांकि इस हत्याकांड में किसने मारा और क्यों मारा.. पुलिस अभी कुछ नहीं बता पा रही है।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी का मर्डर केस सीसीबी को ट्रांसफर

सलाखों के पीछे पत्नी-बेटी, जमीन को लेकर था विवाद

बेंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या मामले में नई जानकारी सामने आई है। बेंगलुरू पुलिस कमिश्नर दयानंद ने सेवानिवृत्त डीजीपी की हत्या के मामले को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) को स्थानांतरित करने के आदेश दिए हैं। यह हाई-प्रोफाइल हत्या का मामला मंगलवार यानी 22 अप्रैल से सीसीबी द्वारा जांच किया जाएगा। पुलिस विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीसीबी को इस केस की जांच सौंपने का फैसला लिया है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व डीजीपी की पत्नी पल्लवी और उनकी बेटी कृति को मुख्य संदिग्ध के तौर पर गिरफ्तार कर लिया है।

1981 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी ओम प्रकाश 19 अप्रैल को बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए थे। उनका शव एचएसआर लेआउट स्थित उनके तीन मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर खून से सना हुआ मिला था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ओम प्रकाश और उनकी पत्नी के बीच तीखी बहस के बाद पल्लवी ने पहले उनके चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंका, जिससे वह जलन के कारण इधर-उधर भागने लगे, तभी पल्लवी ने उन

पर चाकू से कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद पल्लवी ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल करके कहा, ÷मैंने राक्षस को मार दिया है।÷ पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे और दोनों के बीच संबंध तनावपूर्ण थे। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश और पल्लवी के बीच कर्नाटक के दांदेली में स्थित एक जमीन को लेकर विवाद था, जिसे लेकर पल्लवी ने कुछ महीने पहले एचएसआर लेआउट पुलिस थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। वहीं, जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पल्लवी मानसिक विकार से पीड़ित थी और उसे सिजोफ्रेनिया की समस्या थी। वह अपनी दवा भी ले रही थी।

मुर्शिदाबाद में हिंसा कर के भाग आए ओडिशा

कर रहे थे मजदूरी, पुलिस ने 8 को दबोचा

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद में हिंसा कर के भाग आए ओडिशा, कर रहे थे मजदूरी, पुलिस ने 8 को दबोचा

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सोमवार को बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले से 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए लोग मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में शामिल थे। बता दें कि इस हिंसा का संबंध वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर हुए बवाल से है। गिरफ्तार लोगों में जियाउल हक के दो बेटे भी शामिल हैं। जियाउल हक मुर्शिदाबाद के जफराबाद में एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए ये सभी आठ आरोपी ओडिशा के बनहरपाली थाना क्षेत्र में मजदूरी का काम कर रहे थे। ईद के बाद वे मुर्शिदाबाद गए थे, जहाँ उन्होंने वक्फ अधिनियम को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन में भाग लिया।

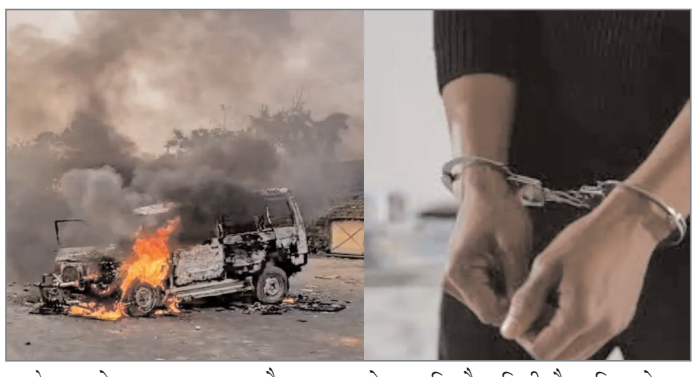

इसके बाद वे वापस झारसुगुड़ा लौट आए और मजदूर बन कर काम करने लगे।

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मुर्शिदाबाद जिले में समसेरगंज में पिता पुत्र की हत्या के मामले में जांच के लिए पश्चिम बंगाल एसटीएफ की टीम ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में आई थी। यहां अन्य अधिकारियों की सहायता से विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी के बाद दो व्यक्तियों-सफाउल हक और बानी इसराइल को हिरासत में लिया। इनके पास से एक पिस्तौल मिली है। पुलिस ने इस छापेमारी के बाद बानी इसराइल और सेफाउल हक के अलावा, मुर्शिदाबाद के रहने वाले 6 अन्य लोगों की भी पहचान की। इसके बाद बंगाल एसटीएफ और झारसुगुड़ा पुलिस की टीम ने इन लोगों को बंधबहाल इलाके से हिरासत में लिया। पकड़े गए ये 6 लोग कथित तौर पर मुर्शिदाबाद हिंसा की घटना में शामिल हैं। इनके नाम बाबुल, अब्दुल खालिक, सबा करीम, रोनी, मनारुल अजफरुल हैं।

पराज्यपाल ने ट्रैफिक प्रहरी स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

डीसीपी ट्रैफिक शशांक जायसवाल को भी मिली ट्रॉफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आज (21 अप्रैल) ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित करने के लिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने ट्रैफिक प्रहरी स्वयंसेवकों को पदक और 6 लाख रुपए के नकद पुरस्कार दिए। ये वे लोग थे जिन्होंने सितंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच प्रहरी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सबसे अधिक रिवार्ड पॉइंट अर्जित किए थे।

ट्रॉफी पाने वाले 5 डीटीपी अधिकारियों में डीसीपी ट्रैफिक शशांक जायसवाल भी थे, जिन्होंने समय पर सीपीआर देकर एक सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की जान बचाई। इसके अलावा एचसी सतीश

कुमारी का भी सम्मान हुआ, जिन्होंने एक सड़क दुर्घटना के पीड़ित की मदद की और उसे चिकित्सा सहायता प्रदान की। अन्य लोगों में ट्रैफिक इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार, सब-इंस्पेक्टर विनीता कौशिक और रोड सेफ्टी सेल से एचसी सोनम शामिल थे, जिन्हें ड्यूटी के दौरान उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में ढ्ढक्र अधिकारी संजय अरोड़ा, विवेक गागिया, के जगदीशन और अजय चौधरी समेत कई सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे।

उपराज्यपाल ने एससी कक्कड़ सहित 11 ट्रैफिक प्रहरी स्वयंसेवकों को सम्मानित किया, जिन्होंने सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक हर महीने मान्यता प्राप्त की। अन्य विजेताओं में मोहित शर्मा, अमनप्रीत सिंह, सुनीता सिंह तोमर, मयूर कुमार, शुभम गुप्ता, संदीप कुमार, शाहबाज, पवन, राजेश सिक्का और भरत सिंह तोमर शामिल थे। मान्यता प्राप्त स्वयंसेवकों को पुरस्कार राशि के साथ पदक भी प्रदान किए गए।

ओडिशा के नबरंगपुर जिले में एक घर में पलंग के बक्से के अंदर महिला का शव मिला

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जद्धले के चंदाहांडी थाना क्षेत्र के हलदी गांव में सोमवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया। गांव के एक घर से काफी दुर्गंध आ रही थी। ऐसा होने पर ग्रामीणों ने चंदाहांडी पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची और घर का ताला तोड़ा, तो पलंग के बक्से से एक महिला का शव बरामद हुआ। मृतका की पहचान अनीता सोरी के रूप में हुई है, जो उसी घर में रहने वाले युध्धर सिंह नायक की पत्नी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनीता छत्तीसगढ़ के देवभोग थाना क्षेत्र के भाटरावाली गांव के निवासी कमलकांत सोरी की बेटी थी। उसकी शादी युध्धर सिंह नायक से पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों से हुई थी। दंपति की एक 2 साल की बेटी भी है। बताया जा रहा है कि शनिवार को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद युध्धर सिंह नायक ने कथित तौर पर अनीता की हत्या कर दी और शव को पलंग के बक्से में छिपाकर घर को बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया।घटना के दो दिन बाद, जब घर से बदबू आने लगी और घर बंद देखा गया, तो ग्रामीणों को शक हुआ। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चंदाहांडी थाना पुलिस को दी।

नलजल योजनाओं के निरीक्षण हेतु दल गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नलजल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए दल गठित किए गए हैं। गठित दल में उपयंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, अनुभाग फंदा एवं बैरसिया, उपयंत्री, जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया, सचिव / ग्राम रोजगार सहायक, संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्र के संबंधित जिला पंचायत सदस्य को अवगत कराते हुये निरीक्षण/जांच कार्य सम्पादित करेंगे। संबंधित दल ग्राम पंचायत में मौके पर जाकर नलजल योजना की वर्तमान स्थिति/योजना प्रारंभ है या योजना बंद पड़ी हुई है (कारण सहित) ग्राम पंचायत में वर्तमान में पेयजल की स्थिति आदि की जानकारी, पूर्ण-अपूर्ण, ट्रायलरन, प्रगतिरत नलजल योजनाओं से संबंधित निरीक्षण, जांच प्रतिवेदन 03 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति के कार्यकाल में वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत खाद्य प्र-संस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई. योजना) के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति के कार्यकाल को एक वर्ष (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए बढ़ा दिया गया है। योजना के दिशा-निर्देशों अनुसार समिति का गठन वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि के लिए किया गया था। राज्य शासन द्वारा इस समिति के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि करते हुए इसे आगामी वित्तीय वर्ष तक विस्तारित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिये गये हैं।

विज्ञान मंथन यात्रा में चयनित स्टूडेंट्स आज सीएम से मिलेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार की विज्ञान मंथन यात्रा के तहत चुने गए बच्चों को देश की बड़ी-बड़ी वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं और संस्थान दिखाए जाते हैं, ताकि वे किताबों से बाहर निकलकर असली विज्ञान को समझ सकें। इस साल यह यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। ऐसे में 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा के तहत 21 अप्रैल को सभी चयनित विद्यार्थी नेहरू नगर स्थित विज्ञान परिषद कार्यालय में इकट्ठा होंगे। शाम को 7 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निवास पर उनके सम्मान में भोज और संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान बच्चों से संवाद करेंगे। भोपाल के वैज्ञानिक संस्थानों के प्रमुख वैज्ञानिक भी इसमें शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) द्वारा चलाया जा रहा यह कार्यक्रम पिछले 16 सालों से हो रहा है। इसका उद्देश्य विज्ञान में रुचि रखने वाले होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करना और उन्हें वैज्ञानिक सोच से जोड़ना है। इस साल यात्रा में 10वीं, 11वीं और 12वीं के 375 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चयनित छात्रों को दो ग्रुपों में बांटा गया है। दोनों ग्रुप 22 अप्रैल को रानी कमलापति स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन द्वारा रवाना होंगे।

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य हो रहे हैं प्राथमिकता से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य में प्राथमिकता में किये जा रहे है। जनसामान्य को जल संरचनाओं के संरक्षण किये जाने की शपथ भी दिलाई जा रही है। बच्चों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जल के महत्व, जलवायु परिवर्तन के दुषप्रभाव और पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है।

राजगढ़ जिले मेंजल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक-एक जल संरचना का जीर्णोद्धार कर उनमें बरसात के एवं सतही पानी को सहेजने की कवायद की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि ले रहे हैं। कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को जिले के 25 गांवों में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा उनके अधीनस्थ अमले, ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थ अमले एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए श्रमदान का अभियान चलाया गया। अभियान में तालाब, परकोलेशन टेंक, कुएं एवं बावडियों की श्रमदान से साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया गया।

विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को प्रचूर जल मात्रा व जल स्त्रोत की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विशेष पहल की जा रही है।

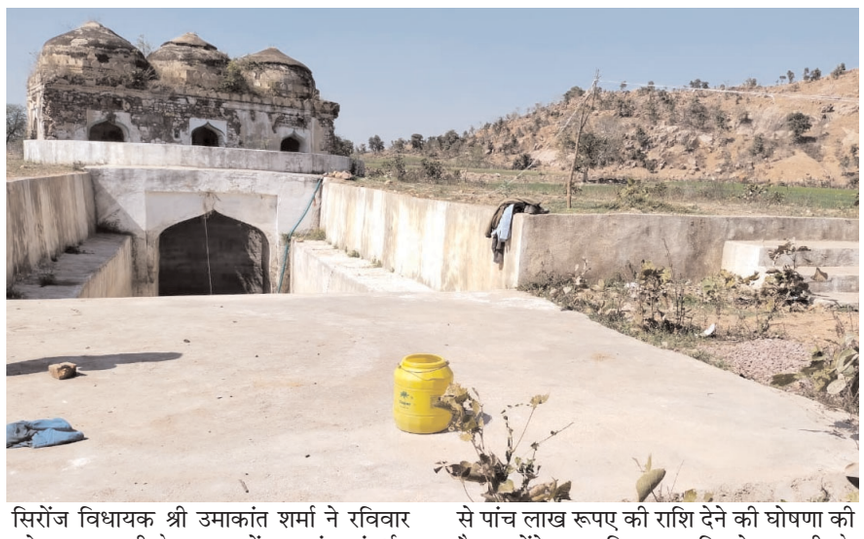

सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने रविवार को ग्राम पगरानी के तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की शुरूआत करते हुए तालाब के जीर्णोद्धार की अलख जगाई हैं। उन्होंने गैंती फावडा से तालाब के गहरीकरण को मूर्तरूप देने के कार्य की शुरूआत की। विधायक श्री शर्मा की पहल पर स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभाई और ग्राम के तालाब के जीर्णोद्धार, साफ सफाई जैसे कार्य अपने हाथों से करने की शपथ ली। विधायक श्री शर्मा ने इस दौरान विधायक निधि से पांच लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस राशि से पगरानी के तालाब का कायाकल्प और ऐसे छोटे बडे सभी कार्य पूरे किए जाएं। आवश्यकता पडती है तो राशि और उपलब्ध कराई जाएंगी।

उमरिया जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोगों में जल के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले की विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है एवं बच्चों को जल संरक्षण करने का मूल मंत्र दिया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल में बच्चों के जल संरक्षण को लेकर नदी को जानो की थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

शहडोल जिले में जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार पर केन्द्रित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा है। जनसामान्य को जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है। जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पड़मनियां के बड़का तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई कार्य तथा तालाब के किनारे से गाद भी निकाली गई।

सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में नागरिकों को को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।

कोलार में फायर ब्रिगेड बुलाकर बुझाई आग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पराली जलाने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शनिवार को पटवारी, नगर निगम के वार्ड प्रभारी, पंचायत सचिव और ग्राम विस्तार अधिकारी की टीमें सक्रिय रहीं। इस दौरान कोलार में टीम ने अमरावदकला में खेत में पराली जलते पकड़ी। तब फायर ब्रिगेड बुलाकर न सिर्फ आग बुझाई गई, बल्कि संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए कोलार थाने में आवेदन भी दिया गया है।

नगर निगम के साथ टीम ने कटारा हिल्स में किसान पर 7500 रुपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा मिसरोद, बर्रई और कटारा हिल्स में पराली जलाने के चार प्रकरण बनाए गए हैं। कोलार एसडीएम रविशंकर राय ने

बताया कि जो चार प्रकरण तैयार किए गए हैं उनमें किसानों की जमीन का रकबा निकाला जा रहा है। इसके आधार पर ही यह तय होगा कि किस पर कितना जुर्माना लगाया जाए। रविवार को इसकी जानकारी निकालकर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कलेक्टर पराली जलाने पर जुर्माना लगाने के आदेश के बावजूद शहर और आसपास खेतों में बहुतायत में पराली जलाई जा रही है।

लेकिन, कार्रवाई नहीं की जा रही थी। दैनिक भास्कर ने शनिवार के अंक में ग्राउंड रिपोर्ट प्रकाशित कर इस मुद्दे को उठाया। इसके बाद जिम्मेदारों की ओर से कार्रवाई की गई।

विद्यार्थियों ने बनाई अखबार की रद्दी से थैलियां और मेंहदी के कोन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धार जिला मुख्यालय पर स्थित महर्षि सांदीपनि (सीएम राइज) विद्यालय में रविवार को सहृदय, सीखें, सृजन करें, समाज से जुड़ें थीम पर आधारित ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पालकगण भी उपस्थित थे। कक्षा केजी से लेकर 10 वीं तक के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम दिन शिविर में सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. स्मृति रत्न मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कक्षा 8 वीं की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया। इसके बाद शिक्षक राकेश मुकाती द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को मेडिटेशन करवाया गया। शिविर में प्राचार्य डॉ. मिश्र ने मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल से ज्ञानवर्धक बातें सीखें और रील बनाने के चक्कर में न पड़ें। यदि रील बनाना ही है तो पढ़ाई लिखाई और अच्छी गतिविधियों की बनाएं। ये गतिविधियां सीखी विद्यार्थियों ने शिविर के प्रथम दिन रविवार को विद्यालय का

माहौल रोज से अलग होकर उत्साहपूर्ण था। परंपरागत कक्षा शिक्षण से अलग हटकर रोचक गतिविधियां करते हुए लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियां करते हुए इन विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें खेल-खेल में और रोचक तरीके से दिया गया दिया गया। विद्यार्थियों को समूह में बांटकर उन्हें अखबार के रद्दी कागज से थैलियां बनाना सिखाया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वयं अनेको थैलियां बनाई। कुछ विद्यार्थियों के समूह ने आर्ट एवं क्राफ्ट की बारीकियां सीखी तो कुछ ने पेंटिंग की।

स्मार्ट सिटी एबीडी एरिया के खाली मकानों में बना लिए अवैध गोदाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्मार्ट सिटी डेवलप करने के लिए आठ साल पहले टीटी नगर के जिस इलाके से करीब 2000 मकान खाली कराने की शुरुआत हुई थी, उनमें से ज्यादातर खाली हो गए हैं। लेकिन 342 एकड़ का यह एबीडी एरिया अवैध कारोबार का अड्डा बन गया है। पूरे इलाके में खंडहर बन चुके 1500 से अधिक मकानों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। झुग्गियां बन रही हैं। बुलेवर्ड स्ट्रीट पर पनप चुके सब्जी बाजार के व्यापारियों ने इनमें गोदाम बना लिए हैं। अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार यहां बदस्तूर जारी है। स्मार्ट सिटी का यह एरिया डेवलप नहीं हुआ। प्रशासन इन मकानों को जमींदोज भी नहीं कर सका। लगातार अनदेखी का नतीजा यह है कि अब स्मार्ट सिटी कंपनी के लिए यहां सर्विस रोड बनाना भी मुश्किल हो गया है। प्लेटिनम प्लाजा के पास लगभग 20 करोड़ रुपए में बेचे गए जिस प्लॉट पर अतिक्रमण के कारण स्मार्ट सिटी पर जुर्माना लग चुका है, तीन बार की कोशिश के बावजूद वहां से अवैध कब्जे नहीं हटाए जा सके हैं। तीन हफ्ते पहले 7 अप्रैल को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने स्मार्ट सिटी के विकास में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए एक समिति बनाई। लेकिन तीन हफ्तों में भी एक भी बाधा दूर नहीं हो सकी है।

तीन हफ्ते पहले कलेक्टर ने बनाई समिति, लेकिन कोई फायदा नहीं

सीन- 1 -माता मंदिर के पीछे 54 ब्लॉक में एच टाइप के खंडहर में अंसार अहमद उर्फ आशु अवैध रूप से रसोई गैस ऑटो और कारों में भरने का कारोबार चला रहा है। अवैध बिजली कनेक्शन है । मौके पर मिले विशाल ने बताया कि एक सिलेंडर 1100 रुपए में रिफिल किया जाता है। पास ही स्थित गैराज में गैस सिलेंडर के लिए गोदाम बनाकर रखा गया है। सुबह से शाम तक यहां हर रोज 25 से 30 सिलेंडर रिफिल किए जाते हैं।

आरटीई- स्कूलों में 25 प्रतिशत प्रवेश की गाइडलाइन जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूलों में प्रवेश के लिए इंतजार कर रहे मप्र के करीब सवा दो लाख बच्चों के लिए आरटीई (शिक्षा का अधिकार) की गाइडलाइन जारी कर दी गई है। यानी बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया अब राज्य शिक्षा केंद्र शुरू करने जा रहा है। लेकिन किस तारीख से प्रवेश शुरू होंगे और कब तक चलेंगे, इसको लेकर अभी भी मंथन चल रहा है।

जबकि विभागीय मंत्री खुद कह चुके हैं कि आरटीई को लेकर तेज कार्रवाई करें। गाइडलाइन में इस बात पर फोकस है कि जिन निजी स्कूलों की मान्यता का काम पूरा नहीं हुआ है, वे पोर्टल पर जाकर स्कूल बंद करने के लिए आवेदन करें। वहीं अभी भी स्कूलों के पते अपडेट करने का काम चल रहा है।

सभी स्कूलों को जीआईएस लोकेशन से जोड़ने का काम अभी जारी है। इसके पहले दो आदेश जारी हुए थे, जिसमें पहले स्कूलों को उनके यहां दर्ज बच्चों की संख्या को यू डाइस पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए थे। जानकारों का कहना है कि जिस तरह से प्रक्रिया चल रही है, उसे देखकर लग रहा है कि आरटीई वाले बच्चों को जून्ङ्कजुलाई तक इंतजार करना होगा।

सिविल सर्जन डॉ. अहिरवार को किया निलंबित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय छतरपुर में 77 वर्षीय श्री उद्धवलाल जोशी एवं उनकी पत्नी के साथ हुई घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि छतरपुर जिला चिकित्सालय में बुजुर्ग दंपत्ति के साथ हुई अमानवीय घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक और गरिमामय व्यवहार को स्वास्थ्य सेवाओं की प्राथमिक शर्त मानती है। इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मामले में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उक्त के अनुक्रम में दोषियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक को चिकित्सा संस्थानों में बिना भेदभाव, भय या अपमान के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। अस्पतालों को सेवा, सहानुभूति और संवेदना के केंद्र के रूप में कार्य करना चाहिए।

सभी स्वास्थ्यकर्मियों से अपेक्षा है कि वे मरीजों के साथ मानवीय मूल्यों के अनुरूप व्यवहार करें। हम ऐसे वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जहाँ मरीजों को सुरक्षा, सम्मान और करुणा मिले यही हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियाद है।

उल्लेखनीय है कि 17 अप्रैल 2025 को जिला चिकित्सालय छतरपुर में 77 वर्षीय श्री उद्धवलाल जोशी एवं उनकी पत्नी के साथ अभद्रता एवं दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी है। घटना की जांच तीन सदस्यीय समिति द्वारा की गई, जिसमें संविदा स्नातकोत्तर चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्रा द्वारा बुजुर्ग को अस्पताल परिसर में घसीटने एवं दुर्व्यवहार करना प्रमाणित पाया गया। डॉ. मिश्रा का आचरण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मानव संसाधन मैनुअल-2025 के प्रावधानों के विपरीत पाया गया। उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने उनका संविदा अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। उक्त प्रकरण में लिप्त रेडक्रॉसकर्मी राघवेन्द्र खरे को भी दोषी पाया गया। उनका प्रति उत्तर असंतोषजनक पाए जाने के कारण, उन्हें भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छतरपुर की सेवाओं से तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया गया है। प्रकरण में जिला चिकित्सालय में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं अधीनस्थों पर नियंत्रण न रखने के कारण डॉ. जी.एल. अहिरवार, प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, छतरपुर को म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय बालाघाट निर्धारित किया गया है।

नर्मदा के 871 घाटों में 94 प्रतिशत असुरक्षित, 671 पर तो आरती तक नहीं हो सकती

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नर्मदा नदी के जिन घाटों पर श्रद्धालु सुबह-शाम मां नर्मदा की आरती करने आते हैं, उनकी हालत इतनी खराब है कि 671 घाटों पर तो आरती ही नहीं हो पाती। न कचरे का प्रबंधन है, न सुरक्षा के इंतजाम, न महिला श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं।

यह स्थिति सामने आई है अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के हालिया सर्वे में, जिसमें मप्र में बहने वाली नर्मदा नदी के 871 घाटों की जमीनी स्थिति का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 94 प्रतिशत घाट तीर्थयात्रियों के लिए असुरक्षित हैं। यहां न कोई

संकेतक हैं, न बहाव और गहराई को दर्शाने वाले बोर्ड।

साफ-सफाई का जिम्मा किसी का नहीं- 781 घाटों पर कचरा प्रबंधन का कोई इंतजाम नहीं है। 654 घाट ऐसे हैं, जहां पर्यावरण प्रदूषण इतना बढ़ चुका है कि पानी की पवित्रता खतरे में है। सर्वे बताता है कि 66 फीसदी घाटों के किनारे रासायनिक खेती होती है, जिससे जल प्रदूषण और बढ़ रहा है।

हर दिन आते हैं ढाई लाख लोग - सर्वे में बताया गया कि जिन घाटों को शामिल किया गया, वहां हर दिन करीब ढाई लाख तीर्थयात्री, श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। इनमें से 396 घाटों पर 1.8 लाख, 336 मध्यम घाटों पर 95 हजार, और 116 बड़े घाटों पर 65 हजार से अधिक लोग आते हैं।

20 फीसदी घाटों पर महिलाओं के लिए न शौचालय, न कपड़े बदलने की जगह

श्रद्धालुओं में बड़ी संख्या महिलाओं की होती है, लेकिन सुविधाएं न्यूनतम हैं। 20 फीसदी घाटों पर शौचालय नहीं हैं, और 11 फीसदी पर कपड़े बदलने का कोई शेड या कमरा नहीं। बैठने की व्यवस्था तो 68 फीसदी घाटों पर नहीं के बराबर है। ऐसे में तीर्थयात्रियों को परेशानी उठाना पड़ती है।

284 धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के घाटों की पहचान तक नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, 284 बड़े घाट ऐसे हैं जहां उनके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी तक नहीं दी गई।

वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से दिव्यांगजन श्रेणी के नव नियुक्त ग्राम पंचायत सचिवों को कलेक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहायक सह आयुक्त पंचायत राज संचालनालय के आदेशानुसार भोपाल जिले में दिव्यांगजनों के ग्राम पंचायत सचिव के पदों की वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से कराए जाने के निर्देश के परिपालन में मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती एवं सेवा की शर्तें) नियम - 2011 के नियम - 3 (ख) के प्रदत्तक शक्तियों का प्रयोग करते हुए भोपाल जिले में कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी द्वारा 03 नव नियुक्त सचिवों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में श्रवणबाधित दिव्यांगजन श्रेणी में श्री अनुज जैन पिता श्री किशोर कुमार जैन, निवासी- मंगलवारा को भोपाल जिले की ग्राम पचायत इमलिया, जनपद पंचायत फंदा में रिक्त पंचायत सचिव के पद पर 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के साथ अस्थाई रूप से नियुक्त किया गया। इसी प्रकार दृष्टिबाधित दिव्यांगजन श्रेणी में श्री कमल

भमोरे पिता श्री फूलचंद्र भमोरे निवासी- ब्लॉक नं.97, सेक्टर 3, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, फैस-2, त्रिलंगा भोपाल को ग्राम पंचयत बोरदा, जनपद पंचायत फंदा में रिक्त पंचायत एवं लोको मोटर दिव्यांगजन श्रेणी में श्री शैलेष कुमार पाण्डेय पिता श्री भगवानदीन शर्मा, निवासी- म.नं. 3, इरिग्रेशन कॉलोनी, राजीव नगर, अयोध्या वायपास भोपाल को रिक्त पंचायत सचिव के पद पर 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के साथ अस्थाई रूप से नियुक्त किया गया।

पहले दिन सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारियों - कर्मचारियों ने समझे फायर सेफ्टी के उपाय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अग्नि सुरक्षा जागरूकता के लिए फायर सेफ्टी सप्ताह का आयोजन जिले की समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है। सप्ताह के पहले दिन 21 अप्रैल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल के अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी पर हैंड्सऑन ट्रेनिंग दी गई। जिसमें आग से बचाव के तरीकों, इलेक्ट्रिकल फायर सेफ्टी, आकस्मिक स्थितियों में निकासी के तरीकों पर जानकारी दी गई। 21 से 26 अप्रैल तक संचालित ये सप्ताह की थीम पर मनाया जा रहा है। ग्रीष्मकाल में तापमान के बढ़ने तथा एयर कंडीशनर, कूलर इत्यादि उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण विद्युत प्रणाली पर अत्यधिक भार पड़ता है। इस कारण से अग्नि दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। स्वास्थ्य संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के प्रावधानों की निगरानी के संबंध में तैयारियों को लेकर फायर सेफ्टी देखभाल इकाई, ऑपरेशन थिएटर आदि ऑक्सीजन समृद्ध वातावरण में अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा मानकों के पालन, फायर रिस्पांस प्लान्स की उपलब्धता, ज्वलनशील सामग्रियों का उचित संधारण एवं निपटान की परख की जा रही है।

ई केवाईसी कराने पर ही मिलेगा मई माह से खाद्यान्न

सभी राशन कार्डधारी 30 अप्रैल से पहले करा लें ई केवाईसी - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा एक मई से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर मई माह से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें।

कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी कराने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं। उचित मूल्य दुकानवार सूची उपलब्ध करा दी गई है। सभी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी शिविरों में शामिल होकर 30 अप्रैल से पहले शत-प्रतिशत ई केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। एसडीएम ई केवाईसी की प्रगति की प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराएं।

लोक प्रशासन में अपना उत्कृष्ट योगदान दें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोक सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों से कहा कि शासन व हितग्राहियों की अपेक्षाओं में खरे उतरें तथा लोक प्रशासन में अपना उत्कृष्ट योगदान दें। कलेक्टर ने लोक सेवा दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अधिकारियों की तत्परता, कार्यक्षमता सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में दिखाई देती है। लोक सेवाओं को सशक्त करें तथा विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचायें। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि कार्यालय में समय दें तथा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता की योजनाओं को गति दें और बेहतर कार्य करते हुए राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दें।

मानसिक दिव्यांग बच्चों को दिव्यांग केन्द्र में प्रवेश का अवसर

दिव्यांग केन्द्र में प्रवेश के लिए आवेदन 27 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। इस केन्द्र में एक अप्रैल से शिक्षण और प्रशिक्षण का नया सत्र आरंभ हो गया है। प्रशिक्षण केन्द्र में प्रवेश के लिए मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के अभिभावक 27 अप्रैल को शाम 4 बजे तक आवेदन पत्र प्रशिक्षण केन्द्र एसबीआई ग्राहक सेवा केन्द्र के सामने उपवन नगर बोदाबाग रीवा में जमा कर सकते हैं। इस संबंध में दिव्यांग केन्द्र के अधीक्षक ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र में प्रवेश के लिए साक्षात्कार 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से चयन समिति द्वारा लिया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए बच्चे की उम्र 6 से 12 वर्ष के बीच होना तथा जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी मानसिक दिव्यांगता का प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र में दिव्यांगता 40 प्रतिशत से अधिक होना अनिवार्य है। बच्चे को कोई संक्रामक रोग न हो तथा बच्चा शौच संबंधी क्रियाएं संपन्न करने में सक्षम हो। आवेदन पत्र के साथ राशन कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी, परिवार आईडी, मोबाइल नम्बर, बैंक खाता नम्बर, यूडीआईडी कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा दिव्यांग पेंशन संबंधी जानकारी देना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ तीन पासपोर्ट आकार के फोटो तथा जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। प्रशिक्षण केन्द्र में बच्चे का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। चयन होने के बाद विद्यार्थी को निःशक्तजन प्रशिक्षण केन्द्र में रहने, भोजन, उपचार, खेलकूद सामग्री तथा मनोरंजन की सामग्री निःशुल्क दी जाएगी। स्थान सीमित होने के कारण बालिकाओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं है। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ मोबाइल नम्बर 9893925290, 9039416654 तथा 9179212330 पर प्राप्त की जा सकती हैं।

मनोज प्रताप सिंह जीसीसीआई के सतना जिलाध्यक्ष नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मनोज प्रताप सिंह को जीसीसीआई के सतना जिलाध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। जिसका पत्र जारी करते हुये संस्था ने कहा है कि, हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आपको गाय आधारित उद्योगों का वैश्विक परिसंघ (जीसीसीआई) मध्य प्रदेश की ओर से आपके जिला सतना का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। आपकी सामाजिक एवं संगठनात्मक दक्षता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग करेंगे तथा जिले में जीसीसीआई की कार्ययोजना को प्रभावी रूप से लागू करेंगे। बतादें कि संगठन का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर का व्यवसायिक, औद्योगिक और सहकारिता क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाला संगठन है, जो स्थानीय और वैश्विक स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर, ट्रेड, कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्टार्टअप्स और युवाओं को प्रोत्साहित करता है।

नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

नरवाई जलाने पर धारा 163 के तहत लागू है प्रतिबंधात्मक आदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल द्वारा नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए जा चुके हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में 17 मार्च से लागू है। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं होने के कारण इसे भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी गई है।

जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है।

जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला दण्डाधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को पटवारी के साथ नरवाई जलाने की घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को भेजने के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों की सुनवाई करके एसडीएम के माध्यम से अंतिम निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक एवं समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 20 से 25 अप्रैल तक

सतना. मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय खेल एवं संगीत-गायन वादन) प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन एवं नृत्य) तथा म.प्र. शासन जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक विषय प्राथमिक शिक्षक (खेल एवं संगीत-गायन वादन एवं नृत्य) की चयन परीक्षा सतना जिले के तीन परीक्षा केन्द्रों में आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलाजी एण्ड साईंस, आदित्य कॉलेज ऑफमैनेजमेंट एवं मां मीरा कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल डाली बाबा डेलौरा सतना मे 20 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक, प्रथम पाली प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक, द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की जायेगी। प्रथम पाली में रिपोर्टिंग का समय प्रातः 8.30 से एवं द्वितीय पाली में दोपहर 1 बजे से नियत किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा अधीक्षण यंत्री एमपीईबी को दायित्व सौंपे गये हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न विभाग निभा रहे हैं भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा शहरी क्षेत्र में नगरीय निकायों द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। नगरीय निकायों में पक्के भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ-साथ नगरीय निकायों में जल संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। कृषि तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके इच्छुक किसानों के आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। किसानों को जल चौपाल और कृषक परिचर्चा के माध्यम से जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के ग्राम खुझ में कृषक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जल संरक्षण के लिए विद्यार्थियों के माध्यम से रैली निकाली जा रही है। साथ ही निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं चित्र प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण के संदेश दिए जा रहे हैं। इस क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझियार तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलखन में निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाकर तथा बिगड़े हैण्डपंपों को सुधारकर जल संवर्धन में योगदान दिया जा रहा है। इस क्रम में नगर परिषद गुढ़ में पीएचई विभाग द्वारा हैण्डपंपों का सुधार एवं साफ-सफाई का कार्य कराया गया। उद्योग विभाग औद्योगिक इकाईयों में जल संरक्षण के कार्य कराकर जल गंगा संवर्धन अभियान में सहयोग कर रहा है। इस क्रम में औद्योगिक क्षेत्र चोरहटा में तीन औद्योगिक इकाईयों तथा ग्राम महसांव में अंकिता राइस मिल में रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत सगरा में खेत तालाब निर्माण तथा ग्राम पंचायत दुबगवां दुबान में तालाब की सफाई का कार्य शुरू किया गया। जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत बम्हनी अजमेर तथा जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत सरैहा में भी खेत तालाब का निर्माण शुरू किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों द्वारा विकासखण्ड रीवा की ग्राम पंचायत बिहरा में हैण्डपंप की साफ-सफाई में श्रमदान किया गया। साथ ही रैली निकालकर जल संरक्षण के संदेश दिए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यशाला सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मझगवां में आयोजित डॉ भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती व्याख्यान माला के अंतर्गत जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह के साथ जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी एवं अन्य विशिष्ट गण मंचासीन रहे। आयोजित व्याख्यान माला में संजय सिंह द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व और कृतित्व के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि बाबा साहब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने सत्य और न्याय का रास्ता चुना। प्रत्येक वंचित वर्ग की आवाज बनकर उन्होंने दलितों, पिछड़ों एवं महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा की और उन्हें सशक्त करने के लिए मजबूत संवैधानिक अधिकार दिलाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी द्वारा बताया गया डॉ. भीमराव अंबेडकर एक विलक्षण महामानव थे। उन्होंने वर्तमान समाज के सभी वर्गों महिला, पुरुष, वंचित वर्ग आदिवासी वर्ग को न्याय और समानता के साथ उत्कर्ष का रास्ता दिखाया। अधिकार संविधान के माध्यम से हम सभी को प्राप्त है। जिनकी बदौलत हम आज सुरक्षा, समानता के साथ अभिव्यक्ति की आजादी जैसा बहुमूल्य अधिकार लेकर स्वतंत्रता के साथ जीवन यापन कर रहे है। यह दिन हम सभी को प्रेरणा दिलाता है अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति स्मरण करता है कि बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता और सम्मान के प्रति जिनकी कड़ी मेहनत से हमे संविधान जैसा बहुमूल्य उपहार मिला। आयोजित व्याख्यान माला का संयोजन विकासखंड समन्वयक विजयेंद्र जड़िया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न समाजसेवी, नवांकुर एवं प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी परामर्शदाता एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था के अध्यक्ष रामकृष्ण नामदेव एवं आभार प्रदर्शन परामर्शदाता संजू मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंत में सभी उपस्थित जन ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ ली गई।

युवा संगम कार्यक्रम में 106 युवाओं को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वरोजगार के हितग्राहियों को हितलाभ देने तथा आपरेंटिसशिप मेले के आयोजन के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रम का जिला मुख्यालय में वृहद आयोजन किया गया। शासकीय आईटीआई परिसर में आयोजित मेगा जॉब फेयर में 106 युवाओं को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर पर प्राप्त हुए। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने जानकारी दी कि मेगा जॉब फेयर में 8 कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान किये गये। जिले में 129 युवा पंजीकृत हुए जिनमें से 106 युवाओं को चयनित किया गया।

रोजगार मेले में पीजी टेक्नोप्लास्ट प्रा.लि. सूपा अहमद नगर महाराष्ट्र में 4, बैक्सी लिमिटेड विभाड़ी राजस्थान में 18, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी गुजरात में 13, प्रतिभा सिन्टेक्स लि. पीथमपुर में 13, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 18, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा में 4, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे में 13 तथा एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में 23 युवाओं का चयन किया गया।

उपार्जन में लापरवाही करने वाली समितियों पर होगी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी की अध्यक्षता में रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 की समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में अब तक गेहूं के उपार्जन परिवहन, भण्डारण तथा भुगतान की विस्तृत समीक्षा करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि उपार्जन कार्य में लापरवाही करने वाली समितियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि बिना किसी असुविधा के खरीदी केन्द्रों में किसानों के गेहूं की खरीदी की जायें। साथ ही केन्द्रों में किसानों के लिए छाया, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधायें एवं व्यवस्थायें समुचित रूप से की जाये। इस मौके पर सांसद सतना गणेश सिंह, विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, नागौद नागेन्द्र सिंह, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, प्रभारी जिला खाद्य अधिकारी एलआर जांगडे, नागरिक आपूर्ति सहकारिता मध्यप्रदेश बेयर हाउसिंग, जीएम सीसी, डीआर सीएस तथा जेएसओ उपस्थित रहे।

विचार

गंभीर चिंता का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

अब इसका शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए या बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये कि राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए मांगे गये आवेदन में 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है वहीं इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में पीएच. डी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी षिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल है। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, आरएएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक रोजमर्रा की भाषा में कहें तो चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे हैं। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर देती है। आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती पर फिर सीधा सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम है पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही।

इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती है। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मैडी क्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है।

राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनमोल योगदान

मां भारती के सपूत स्वतंत्रता सेनानी डॉटर केशव बलिराम हेडगेवार ने जंगें आज़ादी के दौर में विजयदशमी के पावन पर्व के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना देश, संस्कृति व समाज हित के कार्यों को करने के उद्देश्य से की थी। इस संकल्प के चलते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने में निरंतर लगा हुआ है। वैसे निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो आरएसएस के द्वारा किए गए कार्यों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर के आज़ाद हुए भारत देश के निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सकारात्मक योगदान देने का कार्य किया है। अपने शीर्ष नेतृत्व के सशक्त राष्ट्र, सय समृद्धशाली समाज निर्माण के ओजस्वी विचारों के चलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्र निर्माण व सनातन धर्म की रक्षा करने में अनमोल योगदान रहा है। जिस योगदान को हम लोग आज भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से देख सकते हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आरएसएस ने देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दिन-रात एकजुट होकर के काम किया है।

हालांकि देश की आज़ादी के संघर्ष के दौर से लेकर आज़ाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए स्वयंसेवक हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहे हैं। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आज़ादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए और केंद्र व राज्यों की सत्ता की कुर्सी हथियाने के लिए ओछी राजनीति करते हुए देश व दुनिया में संघ को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार करने का कार्य तक भी किया है और यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं के द्वारा पैदा की गयी नकारात्मक स्थिति के बाद भी संघ के द्वारा निस्वार्थ भाव से कार्य करना हमेशा जारी रखा गया है। संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली ने कभी भी इस तरह की हालात की परवाह ना करते हुए, राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन के द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी, उन्होंने कभी भी राष्ट्र व समाज की सेवा करने के कार्यों को करने से मूंह नहीं मोड़ा, विपरीत से विपरीत स्थिति के बावजूद भी स्वयंसेवक निरंतर देश व समाज के हित के कार्य करने में लगे रहे। निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ हुए इस भेदभाव के चलते, लोगों को जंगें आज़ादी व उसके बाद के दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निस्वार्थ भाव से देशहित में दिए गए अनमोल योगदान के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं है। उसके उल्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों को ग़लत तथ्यों के आधार पर आधी-अधूरी जानकारी देकर के कुछ नेताओं व संगठनों के द्वारा संघ की छवि को बट्टा लगाते हुए अपने हितों को साधने का कार्य निरंतर किया गया है। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों के बीच में जिज्ञासा पैदा करने का काम किया और आम लोगों के बीच संघ के बारे में पैदा की गयी ग़लत धारणाओं को सच्चाई के दम पर काफी हद तक समाप्त करने का कार्य किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से अब देश व दुनिया के आम लोगों को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा किए गए समय-समय पर राष्ट्र व समाज हित के कार्यों की जानकारी आसानी से मिलने लगी है।

लोगों को पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। जंगें आज़ादी के दौर में संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया है। देश के दूरदराज इलाकों तक में भी अपनी 55000 शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश के युवाओं के एक बहुत बड़े वर्ग को अनुशासन में रहना सिखाते हुए, उनमें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य बखूबी किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ कार्यों की बानगी देखें तो जंगें आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान देते हुए, समाज में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जागृत करने का काम बखूबी किया था। जिसके चलते ही संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से देश के स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में हिस्सा लेने का कार्य किया। संघ ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की बढ़-चढ़कर के सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य किया। संघ के स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए महामारी के दौर में लोगों की बढ़-चढ़कर के मदद करने का कार्य हमेशा से ही किया है। संघ युद्ध के हालातों में भी माँ भारती के वीर सपूतों के साथ जंग के मैदान में निस्वार्थ भाव से हमेशा खड़ा नज़र आया है। संघ के स्वयंसेवकों की टोली अपने अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा और आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेती आयी है। संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठनों ने समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में आयी प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान आदि), युद्ध और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाने का कार्य किया है।

आज के व्यवसायिक दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए विभिन्न संगठन जैसे विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30,000 शिक्षण संस्थाओं में 9,00,000 शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। आज देश के विभिन्न हिस्सों के नगरों और ग्रामों में, वनवासी और पर्वतीय क्षेत्रों में झुग्गी-झोंपड़ियों में, शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती भारत में सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारत का वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में एक बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था। संघ ने देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने का कार्य किया है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य किया है। देश के आदिवासी क्षेत्रों में जिस तरह से तेजी से धर्मांतरण करने का जाल बिछाया गया, संघ के स्वयंसेवकों ने जान की बाजी लगाकर उसको काफी हद तक रोकने का कार्य किया है। संघ ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को कम करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे अभियान चलाए है। यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने पर जोर देता है। आदिवासी और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संघ के संगठन कार्यरत हैं।

पृथ्वी: अस्तित्व का संकट एवं समाधान

सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ जीवन विभिन्न स्वरूपों में विद्यमान है। यह जीवन की विविधता पृथ्वी की अनूठी भौगोलिक, जलवायु एवं पारिस्थितिकीय विशेषताओं के कारण संभव हो सकी है। किंतु वर्तमान समय में तीव्र और अनियोजित विकास, साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक एवं असंवेदनशील दोहन ने पृथ्वी की पारिस्थितिकी संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। जल चक्र, कार्बन चक्र, जैविक चक्र तथा वायुमंडलीय संतुलन जैसे प्रमुख प्राकृतिक चक्रों में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है, जिससे जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का क्षरण, वायु एवं जल प्रदूषण जैसी अनेक पर्यावरणीय समस्याएं सामने आ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित और व्यवस्थित प्रबंधन रणनीति के साथ-साथ जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से प्रति वर्ष 22 अप्रैल को 'पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है तथा समाज को सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। वैश्विक पृथ्वी दिवस 2025, की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' है, जो सामूहिक प्रयासों की शक्ति को रेखांकित करती है और पृथ्वी की सुरक्षा हेतु विश्व समुदाय को एकजुट होने का आह्वान करती है।

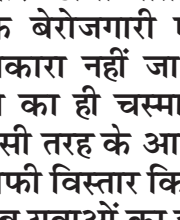

प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी
प्राचार्य शा. आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में

वर्तमान समय में पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए प्राकृतिक प्रक्रियाओं, उभरती हरित तकनीकों और नवीन सोच को समझना अत्यंत आवश्यक हो गया है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और भी स्पष्ट और गंभीर रूप में सामने आए हैं, जो वैश्विक पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। 2024 में वैश्विक महासागरों में समुद्री हीटवेव्स की आवृत्ति और तीव्रता में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, महासागरों के सतही तापमान में निरंतर वृद्धि के कारण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। यह स्थिति समुद्री जैव विविधता, मछली पालन और तटीय समुदायों के लिए खतरा बन गई है । वैश्विक औसत सतही तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर (1850-1900) की तुलना में वर्ष 2024 में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जिससे यह अब तक का सबसे गर्म वर्ष बन गया। यह वृद्धि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में निरंतर वृद्धि और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम है। लू, बाढ़, सूखा, जंगल की आग और उष्णकटिबंधीय चक्रवात जैसी चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि हुई है, फलस्वरूप महाद्वीपों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अत्यधिक प्रभावित हुई है।

इन घटनाओं के कारण कृषि उत्पादन में कमी, जल संकट, स्वास्थ्य समस्याएं और आपदा प्रबंधन की चुनौतियां उत्पन्न हुईं हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। प्लास्टिक ओवरशूट डे 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन 12 देशों में शामिल है जो विश्व के 60 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंधन नहीं हो पाता हैं। भारत की प्रति व्यक्ति प्लास्टिक खपत लगभग 5.3 किलोग्राम है, जो वैश्विक औसत (20.9 किलोग्राम) से काफी कम है। भारत में लगभग 60 प्रतिशत प्लास्टिक का पुनर्चक्रण किया जाता है, परंतु इस प्रक्रिया में अनौपचारिक क्षेत्र की अधिक भागीदारी से गुणवत्ता, मानक और सुरक्षा की चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं। संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या 2030 तक गंभीर जल संकट का सामना कर सकती है। भारत में विश्व की 18 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, जबकि उसके पास केवल 4 प्रतिशत ताजे जल संसाधन हैं। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है। भारत सहित विश्व की कई नदियों में जल प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक है। गंगा, यमुना, गोदावरी, घाघरा जैसी प्रमुख नदियाँ अत्यधिक प्रदूषण का सामना कर रही हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार, देश का कुल वन और वृक्ष आवरण 8.27 लाख वर्ग किलोमीटर तक पहुँच गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत है। भारत का लगभग 29.32 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण की चपेट में है। भूमि क्षरण के प्रमुख कारणों में जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक चराई, वनस्पति विनाश, मिट्टी का क्षरण और अनुचित कृषि पद्धतियाँ शामिल हैं। मरुस्थलीकरण से खाद्य सुरक्षा, पेयजल की उपलब्धता और ग्रामीण जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत में पीएम 2.5 स्तर में 7 प्रतिशत की गिरावट आयी है किंतु अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से दस गुना अधिक है। भारत के 94 शहर विश्व के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। हालांकि कुछ शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है।

आज पृथ्वी गहरे संकट की ओर अग्रसर है, और इस संकट से उबरने की ज़िम्मेदारी संपूर्ण मानव जाति की है। पर्यावरणीय असंतुलन के कारण उत्पन्न होती जा रही वैश्विक चुनौतियों का समाधान केवल नीति या तकनीक से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में परिवर्तन लाकर ही संभव है। वर्तमान में विश्व भर में पर्यावरण संरक्षण हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु इन प्रयासों को और अधिक व्यापक तथा सामूहिक बनाने की आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को माता के रूप में सम्मानित किया गया है। यह दृष्टिकोण केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि एक गहरी नैतिक चेतना का प्रतीक है। पृथिव्याः रक्षणं कार्यं, धर्मोऽयं मानवस्य च। या ध्रियन्ते जीवका यत्र सा माता पालनी सदा॥ अर्थात पृथ्वी की रक्षा करना प्रत्येक मानव का कर्तव्य और धर्म है। जिस पृथ्वी पर जीवन का आधार टिका है, उस माता की सदैव रक्षा की जानी चाहिए। जब तक हम पृथ्वी को मातृत्व भाव से नहीं देखेंगे, तब तक इसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता संभव नहीं। हमें अपनी जीवनशैली और सोच को पृथ्वी के अनुरूप बदलना होगा तभी सभी प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन संभव हो सकेगा।

कांग्रेस का सीएम हाउस घेराव...बैज-पुलिस के बीच धक्कामुक्की

बैज ने सभा को किया संबोधित, सालभर में 93 हत्याओं का दावा

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ कांग्रेस रायपुर में छ्रू हाउस घेरने निकली। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार अपराध रोकने में विफल साबित हुई है और जनता डरी हुई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु जनता के लिए मुख्यमंत्री बनकर नहीं, भक्षक बनकर काम कर रहे हैं।

बैज ने कहा कि हमारी लड़ाई छत्तीसगढ़ की जनता के हक, बीजेपी और सरकार के खिलाफ है। गर्मी 42 डिग्री हो या 45 हमारी माता बहनों को बचाने से हमें कोई नहीं रोक सकता। आत्मानंद स्कूल की 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा से रेप होता है। एक महीने की गर्भवती हो जाती है, प्रशासन को पता नहीं है। बैज ने कहा कि हमने विधानसभा में प्रदर्शन किया, ब्लॉक, ज़िला हर स्तर

पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार नींद से नहीं उठी। हर तीन घंटे में एक बलात्कार हो रहा है। ये सरकार छत्तीसगढ़ को यूपी और बिहार बनाने पर तुली है, लेकिन कांग्रेस ऐसा होने नहीं देगी।बैज ने कहा कि लूट और किडनैपिंग में भी रायपुर टॉप पर है। यहां 515 से ज्यादा किडनैपिंग की वारदात हुई है। एक साल में 93 हत्याएं और 268 रेप की वारदातें हुई हैं। प्रदेश में 3644 किडनैपिंग और 1114 लोगों की हत्याएं हुई है, जबकि 3191 महिलाओं से रेप की वारदात हुई है। बैज ने कहा कि गृहमंत्री पश्चिम बंगाल पर बयान द रहे , इतनी ही चिंता है, यहां से इस्तीफा देकर वहां जाकर पद संभाल लें। वो आदिवासी जो खुद को आदिवासी नहीं मानते, जनजाति मानने वाले बस्तर में जाकर आदिवासियों के लिए बयान दे रहे हैं, इन्हें क्या पता आदिवासियों का संघर्ष क्या है ?।वहीं पूर्व पीसीसी चीफ धनेन्द्र साहू ने कहा कि रोज हत्या, बलात्कार, लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। क्या यही विष्णु का सुशासन है। शांति का टापू आज अपराध गढ़ बन चुका है।

आज न्याय पथ पर चलकर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए ये घेराव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी राम राज्य, विष्णु के सुशासन की बात कर रहे हैं, लेकिन चारों तरफ अशांति है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ये आयोजन किया है।विधायक उमेश पटेल ने कहा कि डेढ़ साल में ऐसे-ऐसे कारनामे हुए जो छत्तीसगढ़ के इतिहास में कभी न हुए। दिमाग और दिल में घर कर गए। बलौदाबाज़ार की घटना हुई है। इस सरकार में एसडीएम को जनता दौड़ाती है। बलरामपुर में महिला पुलिस को महिलाएं मार रही थी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना इसलिए होती है, क्योंकि शासन-प्रशासन से जनता का विश्वास उठ जाता है। छत्तीसगढ़ अपराध के मामलों में तेज़ी से डेढ़ साल में आगे बढ़ा है। वहीं फूलो देवी नेताम ने कहा कि ये मुख्यमंत्री शासन और प्रशासन की चूक है, जो आज बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। आज हम यहां, इसलिए इकट्ठे हुए हैं, ताकि मुख्यमंत्री की आंखें खोल सकें।

नगर निगम के सामने कांग्रेस की सभा

ये प्रदर्शन पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व हुआ। घेराव से पहले रायपुर नगर निगम के सामने कांग्रेस ने सभा का आयोजन किया। सभा में प्रदेशभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। इसमें नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व पीसीसी चीफ धनेन्द्र साहू, सह-प्रभारी विजय जांगिड, जरिता लैतफ़लांग ,प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत गैदू समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि सरकार के ख़िलाफ इस बड़े प्रदर्शन में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के साथ प्रदेश कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टी एस सिंहदेव शामिल नहीं हुए।

चिरमिरी में कोयला खदान की आग से बढ़ा प्रदूषण

प्रबंधन की लापरवाही से लोगों के स्वास्थ्य को खतरा,कलेक्टर ने लिया संज्ञान

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले स्थित चिरमिरी में गंभीर स्थिति बन गई है। SECL (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) के ओपन कास्ट माइंस में नियमों की अनदेखी कर कोयला खनन किया जा रहा है। खदान में लगी आग से निकल रहा धुआं वायुमंडल को प्रदूषित कर रहा है।स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने कई बार इस मुद्दे को उठाया है। लेकिन SECL प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस गंभीर समस्या को देखते हुए एमसीबी जिला कलेक्टर ने मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने चिरमिरी SECL प्रबंधन को आग पर तत्काल नियंत्रण पाने के निर्देश दिए हैं। अब सभी की नजरें SECL प्रबंधन पर टिकी हैं कि वह इस समस्या का समाधान कैसे करता है।

साड़ी चोरी के शक में 10वीं पत्नी को मार डाला

जशपुर के जंगल में फेंका शव, आरोपी बोला- पहली की मौत के बाद नौ से लव मैरिज...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पति ने अपनी दसवीं पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी और शव को जंगल में फेंक दिया। आरोपी ने चावल, साड़ी और तेल चुराने के आरोप में पत्नी को पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपी कुल 10 शादियां कर चुका है। पहली बीवी होने के बावजूद उसने 9 साल में नौ शादियां की थी। यह वारदात बगीचा थाना क्षेत्र के महुआपानी सुलेशा गांव की है। दरअसल, 20 अप्रैल को गांव के कोटवार ने रोपाक्यारी नाला के पास एक महिला का सड़ा-गला शव देखा। कोटवार ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची बगीचा पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मामले की जांच शुरू की। शव की स्थिति देखकर अंदाज़ा लगाया गया कि महिला की मौत 4-5 दिन पहले हुई होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला की मौत सिर पर वार के कारण हुई है। जांच में पता चला कि मृतका की पहचान ग्राम महुआपानी निवासी बसंती बाई के रूप में हुई। वो आरोपी ढुलू राम 45 वर्ष की 10वीं पत्नी थी। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि घटना से पहले बसंती को आखिरी बार अपने पति के साथ देखा गया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर ढुलू राम को हिरासत में लेकर जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने पूरी सच्चाई उगल दी।आरोपी ढुलू राम ने बताया कि 17 अप्रैल की शाम वह अपनी पत्नी बसंती बाई के साथ भतीजे की शादी में गया था। वहां जब शादी में चुमावन का कार्यक्रम चल रहा था तो उसी समय उसकी पत्नी घर से चावल, साड़ी और तेल चुराकर ले जा रही थी।

सरकारी राशन की कालाबाजारी का खुलासा

ट्रक से 6 बोरी चावल चोरी कर वैन में भर रहे थे...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

एमसीबी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पीडीएस दुकानों के लिए आ रहे सरकारी चावल की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत सिंघत के पास एक सुनसान जगह पर यह घटना हुई। ट्रक से पीडीएस दुकान के लिए चावल ले जाया जा रहा था। वैन चालक ने ट्रक से 6 बोरी चावल उतारकर अपनी गाड़ी में लोड किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस और खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई शुरू की। जांच में सामने आया कि एमसीबी जिले के कई क्षेत्रों में ऐसे बिचौलिए सक्रिय हैं। ये लोग गरीबों के लिए भेजे जाने वाले राशन की कालाबाजारी करते हैं। खाद्य विभाग की ओर से इन पर कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण इनके हौसले बुलंद हैं। विभाग की ढिलाई के चलते जिले के विभिन्न हिस्सों में सरकारी राशन का अवैध कारोबार लगातार चल रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब इस कालाबाजारी पर अंकुश लगा पाएगा।

अवैध तरीके से गैस सिलेंडर का भंडारण

पुलिस ने 200 से अधिक कॉमर्शियल सिलेंडर किया जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में अवैध तरीके से गैस सिलेंडर का स्टोर कर रखने और रिफिलिंग करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों के 200 से अधिक सिलेंडर जब्त किया है। पुलिस ने आवश्यक वस्तु एक्ट के तहत एक्शन लिया है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि, गोवर्धन नगर स्थित प्लाट में एक व्यक्ति ने अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भण्डारण कर रखा है। जब टीम पहुंची वहां कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भण्डारण होने के साथ ही गाड़ी में सवार एक व्यक्ति अपने कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों का भंडारण कर रखा था। पूछताछ में उसमें अपना नाम धर्मेन्द्र सोनी बताया। गैस सिलेंडर के संबंध में जब पुलिस ने वैध कागजात पेश करने कहने पर किसी प्रकार का कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद इसके खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है।पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम नीरज धनकर और दयालु साहू बताया। दोनों आरोपी अवैध तरीके से गैस को महंगे दामों में बेचते थे। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के कुल 12 घरेलू/कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, 1 गैस सिलेंडर पाइप, 55 नोजल कैप, 23 गैस रिफिलिंग पाइप, गैस कार्ड और करीब 15 हजार जब्ती की कार्रवाई की थी।

2 लोगों की हुई थी गिरफ्तारी

एक दिन पहले रविवार को पुलिस ने रायपुर में अवैध तरीके से गैस सिलेंडर रिफिलिंग करते दो लोगों को गिरतार किया था। आरोपियों के पास पुलिस ने दर्जनभर सिलेंडर, नोजल और पाइप भी जत किया है। ये दो आरोपी थाना मुजगहन क्षेत्र के कांदुल स्थित भारत गैस गोडाउन के सामने अवैध रूप से घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के गैस रिफिलिंग कर ज्यादा दामों में बेच रहे थे।

209 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर जत...

पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र सोनी के पास से पूर्ति गैस, सीजी गैस, इण्डेन गैस, भारत गैस, एच पी गैस, गो गैस और लू गैस जैसे अलग अलग कंपनियों के कुल 209 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर को जत किया है। वहीं, एक पिकअप वाहन जत किया है। पुलिस ने बताया जत किए गए सामानों की कुल कीमत है लगभग 7,50 लाख रुपए है।

दूल्हे के बहन की सड़क हादसे में मौत

नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष की शादी से भटगांव लौट रहे परिवार की कार पेड़ से टकराई

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

भटगांव के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के शादी समारोह से लौट रही बहन की कार हादसे में मौत हो गई। अंबिकापुर-वाराणसी मार्ग में सोनगरा के पास तेज रफ्तार कार सोमवार सुबह करीब 9 बजे सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में पूर्व नपं अध्यक्ष के जीजा सहित तीन बच्चे घायल हो गए हैं। सभी घायलों का उपचार अंबिकापुर के निजी हॉस्पिटल में किया जा रहा है। घटना भटगांव थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, भटगांव के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सूरज गुप्ता का विवाह समारोह 20 अप्रैल को अंबिकापुर के कमोदा बिहार मैरिज हॉल में आयोजित था। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए सूरज गुप्ता की दीदी चांदनी गुप्ता (32) अपने पति निरंजन गुप्ता (34) निवासी दुलदुला, जशपुर अपने दो बच्चों के साथ अंबिकापुर आई थी। रात में शादी समारोह संपन्न होने के बाद परिवार अंबिकापुर से भटगांव जा रहा था। निरंजन गुप्ता अपने मारुती स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक JH 01 CP 8189 से पत्नी चांदनी सहित दो बच्चों एवं बतौली भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष गुप्ता के दो बच्चों को लेकर अंबिकापुर से भटगांव के लिए रवाना हुए। सुबह करीब 9 बजे तेज रफ्तार में उनकी कार सोनगरा के पास पेड़ से जा टकराई। तेज रफ्तार में हुए हादसे में कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

कुएं पर टिकी 1700 लोगों की जिंदगी कोंडागांव के जोबा में 15 दिन का पानी

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में गर्भवती महिला ने ज्यादा दर्द उठने पर सड़क किनारे बच्चे को जन्म दिया है। महिला की सास और पति ने ही डिलीवरी कराई। मां और नवजात दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। डिलीवरी का लाइव वीडियो भी सामने आया है। हालांकि बाद में दोनों को एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां नाल काटने के बाद परिवार घर चला गया, जबकि नर्स ने उन्हें भर्ती होने की सलाह दी थी। लेकिन डिलीवरी होने के बाद वो रुकना नहीं चाहते थे। जानकारी के मुताबिक, तमनार इलाके की रहने वाली गर्भवती महिला को रविवार की रात करीब 10 बजे परिवार ऑटो से मेडिकल कॉलेज जा रहा था। इसी दौरान चक्रधर नगर रोड पर अचानक पेट में दर्द शुरू हो गया। जिसके चलते ऑटो को रुकवा लिया गया। सड़क किनारे लगे लोहे के डिवाइडर की आढ़ में उसकी सास और पति ने डिलीवरी कराई। महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।इसके बाद आसपास के लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को कॉल कर बुलाया। फिर महिला को नवजात के साथ एमसीएच (मातृ शिशु अस्पताल) ले जाया गया। जहां बच्चे का नाल काटा गया, फिर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई। इस मामले में मातृ शिशु अस्पताल की स्टाप नर्स पूजा अनिल ने बताया कि, रात में महिला को लाया गया था। जिसके गर्भनाल को अलग किया गया। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ थे। उनके साथ जो अटेंडर थे, वो रूकना नहीं चाहते थे, लेकिन उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती होने को कहा गया था। भर्ती नहीं हुए इसलिए नाम पता भी नहीं नोट किया गया।

दलित महिला ने खून से लिखा राष्ट्रपति को पत्र

गरियाबंद में पुरखों की ज़मीन छीनने, मठ तोड़ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में एक दलित महिला ने न्याय पाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया है। 70 साल की बुजुर्ग महिला ने राष्ट्रपति को अपने खून से पत्र लिखा है। बुजुर्ग महिला ने जमीन विवाद में न्याय न मिलने पर यह कदम उठाया है। उनका आरोप है कि बार-बार आवेदन देने के बावजूद जब प्रशासन ने उनकी नहीं सुनी, तो उन्होंने अपनी आपबीती खून से लिखकर राष्ट्रपति को भेज दी। महिला का खून से लिखा पत्र सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। यह मामला छुरा ब्लॉक का है। 70 वर्षीय ओम बाई बघेल छुरा की रहने वाली है, जो टीबी जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही है।

उसका स्थानीय निवासी संतोष सारडा के साथ जमीन को विवाद चल रहा है। उसने बताया कि गांव में उसकी पुश्तैनी ज़मीन है। उस जमीन पर परंपरागत रीति से पूर्वजों की समाधि बनाई गई थी। महिला का आरोप है कि गांव के ही संतोष सारडा ने उसे खुद की जमीन का दावा किया। इतना ही नहीं, जमीन पर बनी पूर्वजों की समाधि स्थल को भी तोड़ दिया। महिला ने कहा, आरोपी ने न सिर्फ मठ को ढहाया, बल्कि ज़मीन पर कब्जा भी कर लिया और उसके साथ बदसलूकी भी की। इसके बाद पीड़ित महिला ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर से लेकर जिले के तमाम आला अधिकारियों तक की, लेकिन जब कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद महिला पैथोलॉजी लैब पहुंची और वहां खून निकलवाया। फिर उस खून से पत्र में अपनी व्यथा राष्ट्रपति को लिख भेजी।

नए कलेक्टर से महिला को उम्मीद

इसी बीच गरियाबंद जिले के कलेक्टर का भी ट्रांसफर हो गया। भगवानू उइके ने दीपक अग्रवाल से कलेक्टर का पदभार ग्रहण किया है। जहां एक ओर यह औपचारिक प्रक्रिया चल रही थी, वहीं दूसरी ओर ओम बाई का खून से लिखा पत्र और स्पीड पोस्ट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। पीड़िता को अब नए कलेक्टर से न्याय की उम्मीद है।

रोते हुए वीडियो महिला का वायरल...

ओम बाई का एक रोते हुए वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि मठ को तोड़ने के दौरान महिलाओं के साथ बार-बार अपमानजनक व्यवहार किया गया। उनका कहना है कि यह केवल ज़मीन का विवाद नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की अस्मिता और आत्मा से जुड़ा मामला है। इस मामले पर छुरा तहसीलदार रमेश मेहता ने बताया कि पिछले तीन साल से चल रहे इस जमीन विवाद में फैसला संतोष सारडा के पक्ष में आया है और राजस्व अधिनियम के तहत उन्हें ज़मीन का कब्जा दिलाया गया था। तहसीलदार का कहना है कि मठ तोड़ने की घटना उनके कब्जा दिलाने के बाद हुई, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं थी।

पिता ने दोपहर में घूमने पर डांटा बेटी ने गला काट-लिया

बहन को तड़पती मिली, ब्लेड से गहराई तक रेता, अधिक खून बहने से मौत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

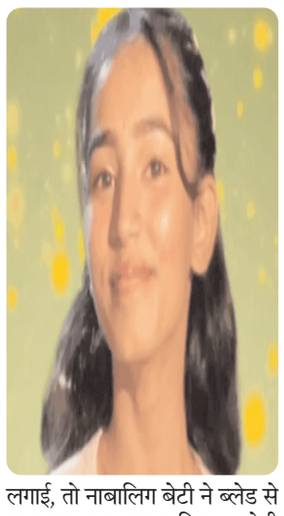

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में पिता ने धूप में घूमने को लेकर डांट लगाई, तो नाबालिग बेटी ने ब्लेड से खुद का गला काट लिया। छोटी बहन कमरे के अंदर घुसी तो बड़ी बहन तड़पती मिली। अधिक खून बहने की वजह से उसकी मौत हो गई। घटना भटगांव थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, बरपारा निवासी नेहा बरगाह (16) कक्षा 10वीं की छात्रा थी। रविवार दोपहर करीब 2.30 बजे बाहर से घूमकर घर लौटी। उसके पिता राजेंद्र प्रसाद ने बेटी के घर आने पर टोकते हुए कि, इतनी तेज धूप में कहां घूम रही थी। बाकी लोग घर में हैं। पिता की फटकार के बाद नेहा बरगाह ने किसी से कुछ नहीं कहा। वो अंदर कमरे में चली गई। नेहा के कमरे में जाने के कुछ देर बार उसकी छोटी बहन कमरे में पहुंची, तो नेहा खून से तथपथ तड़पती मिली। उसके गले से तेजी से खून निकल रहा था। उसने शोर मचाया। पिता और परिजन मौके पर पहुंचे और तत्काल निजी वाहन से उसे लेकर मिशन हॉस्पिटल अंबिकापुर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू किया। रात 1.30 बजे इलाज के दौरान नेहा की मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार, ब्लेड से गहराई तक गला कट गया था। वो बोल भी नहीं पा रही थी। अधिक खून बहने से उसकी जान चली गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। नेहा के पिता राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि, नेहा ने कक्षा दसवीं की परीक्षा दी है। अभी रिजल्ट नहीं आया है। वो पढ़ने में अच्छी थी, लेकिन छोटी-छोटी बात

सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान धमाका

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में IED ब्लास्ट की चपेट में आने से एक जवान मनोज पुजारी शहीद हो गया। बताया जा रहा है कि जवान रविवार सुबह तोयनार-फरसेगढ़ मार्ग पर सड़क निर्माण की सुरक्षा में तैनात थे, तभी बम पर पैर पड़ने से धमाका हुआ है। मामला तोयनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मनोज पुजारी 26 छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (CAF) के 19वीं बटालियन पर थे। घटना तोयनार से करीब 4 किलोमीटर दूर मोरमेड के जंगल में हुई। सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टुकड़ियां घटनास्थल की ओर रवाना की गईं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। जनवरी 2025 में बीजापुर जिले में नक्सलियों ने जवानों को लेकर जा रहे वाहन को ब्लास्ट कर उड़ा दिया था। हमले में दंतेवाड़ा छ्रत्न के 8 जवान शहीद हो गए थे। इसमें एक ड्राइवर की भी मौत हुई थी। नक्सलियों ने संयुक्त ऑपरेशन पार्टी पर अटैक किया था। बीजापुर मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर अंबेली गांव के पास नक्सलियों IED ब्लास्ट किया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्?ढा हो गया। वाहन के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के कुछ पार्ट्स 30 फीट दूर एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर मिले थे।

पुलिस बोली-कर्नाटक के पूर्व डीजीपी की हत्या पत्नी ने की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक ओम प्रकाश की हत्या के मामले में आज सोमवार को नया खुलासा हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने पुलिस सोर्स के हवाले से बताया कि पत्नी पल्लवी ओम प्रकाश की हत्या की प्रमुख संदिग्ध है। घटना के समय ओम प्रकाश खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ। यह इतना बढ़ गया कि पत्नी ने उनकी हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पल्लवी ने पहले ओम प्रकाश पर मिर्ची पाउडर फेंका, जब जलन से राहत पाने के पूर्व छ्रत्नक्क इधर-उधर भाग रहे थे तो पल्लवी ने उनकी गर्दन, पेट और छाती पर चाकू से 10-12 वार किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पल्लवी ने गुनाह कबूल कर लिया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस वारदात के दौरान बेटी कृति भी वहीं मौजूद थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद एक अन्य आईपीएस ऑफिसर की पत्नी को मैसेज किया- एक राक्षस को खत्म कर दिया। बाद में पल्लवी ने उन्हें फोन कर बताया कि उसने ओम प्रकाश की हत्या कर दी है। इसके बाद आईपीएस ऑफिसर ने ही पुलिस को सूचना दी।

बेंगलुरु में वायुसेना अधिकारी और पत्नी पर हमला

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में सोमवार सुबह वायुसेना के अधिकारी और उनकी पत्नी पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। उनके साथ मारपीट के अलावा गाली-गलौज भी की गई। ऑफिसर ने वीडियो जारी कर घटना की जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक विंग कमांडर शिलादित्य बोस पत्नी स्क्वाड्रन लीडर मधुमिता दत्ता के साथ कोलकाता की फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट जा रहे थे। उसी दौरान बीच रास्ते में कुछ लोगों ने बाइक से उनका पीछा किया और गाड़ी रोककर मारपीट की। शिलादित्य के सिर और चेहरे से खून बह रहा था। पत्नी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद पति-पत्नी थाने पहुंचे। पहले पुलिस ने स्न्नक्कदर्ज नहीं की। हालांकि उनकी पत्नी के कहने पर बायप्पनहल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। वायुसेना अधिकारी की कार में लगे डैशकैम रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी की पहचान स्विगी के डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर की गई है। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया है। अब उससे पूछताछ की जा रही है कि बात हाथापाई तक क्यों पहुंची।

मुर्शिदाबाद हिंसा, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या राष्ट्रपति को आदेश दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले।

जनसेवा का प्रभावी माध्यम है सिविल सेवा -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ़ एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का निःसंदेह सदुपयोग करें, लेकिन अपने कर्तव्यों से कदापि विमुख न हों। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन एक वृहद विषय है। इसका मूल मंत्र है - लोगों की हर संभव तरीके से सेवा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस डे) के अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी सिविल सेवकों को लोक सेवा दिवस की बधाई दी और सभी से अपने उत्तरदायित्वों के प्रति संकल्पबद्ध रहने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा, समर्पण, मनोयोग के साथ निभाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के चयनित 16 सिविल सेवकों (अधिकारियों) को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी अवार्डियों को उनके द्वारा किए गए नवाचारों के लिए बधाई देकर एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक कुशल सिविल सेवक वह होता है, जो न केवल शासन के नियमों,

उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता की कठिनाइयों एवं समस्याओं को समझे और उन्हें समुचित समाधान भी प्रदान करें। उन्होंने सभी सिविल सेवकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की तत्पर सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शासन को जनकल्याण की दिशा में अधिक प्रभावी बनाने की ओर अग्रसर करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे कामों और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। इसीलिए सभी लोक सेवक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और लोक जवाबदेही की भावना को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करें।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. दीपक बागला, राज्य शासन के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

भूपेश बघेल ने ईडी को भाजपा की इलेक्शन विंग बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में नेशनल हेराल्ड केस में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- ईडी भाजपा के इलेक्शन विंग की तरह काम कर रही है। ईडी ने 2015 में केस बंद कर दिया था। बाद में एक नई स्न्नक्कदर्ज की गई। इसके बाद सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लंबी पूछताछ हुई। दरअसल, सोनिया और राहुल गांधी पर ईडी के चार्जशीट दायर करने के विरोध में कांग्रेस 27 अप्रैल तक देशभर के 57 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इस सिलसिले में बघेल ने यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

भाजपा के इकबाल सिंह होंगे दिल्ली के नए मेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब आम आदमी पार्टी ने म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। चुनाव 25 अप्रैल को होगा। पार्टी के प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने कहा कि भाजपा ने पहले भी एमसीडी का चुनाव रुकवा दिया था। परिसीमन के दौरान वार्डों को इधर-उधर किया गया। परिसीमन के

दौरान जबरदस्त गड़बड़ी और भ्रष्टाचार किया गया। इसके बावजूद चुनाव हारी और आप की सरकार बनी। इसके बाद भी एमसीडी बैठकों में भाजपा पार्षदों द्वारा खूब तमाशा किया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारे पार्षदों को डराकर, धमकाकर, लालच देकर भाजपा अपने पाले में लाने की कोशिश में लगी हुई है। जिसके बाद हमने फैसला लिया है कि इस बार मेयर चुनाव में हम अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। भारद्वाज ने कहा कि बगैर किसी बाधा के भाजपा अपना मेयर बना ले और चार इंजन की सरकार को बिना कोई बहाना बनाए चलाएं और दिल्लीवालों को काम करके दिखाएं। आप के इस फैसले के साथ ही दिल्ली मेयर के लिए भाजपा के उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन अब तय हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- अवमानना याचिका के लिए हमारी जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- याचिका दायर करने के लिए कोर्ट की मंजूरी की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होगी। याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि निशिकांत ने सीजेआई और न्यायपालिका का अपमान किया है। क्या वह निशिकांत के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर कर सकता है। इसके बाद एडवोकेट अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना की इजाजत मांगी।

दरअसल, भाजपा सांसद दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाने हैं तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई पर भी विवादित टिप्पणी की थी। देश में गृह युद्ध के लिए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं।

दिल्ली कोर्ट में मुजरिम-वकील ने जज को धमकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत में जज को मुजरिम और उसके वकील ने धमकाया। जज ने चेक बाउंस केस में आरोपी को मुजरिम करार दिया था। इसके बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज को जान से मारने की धमकी दी। केस की सुनवाई ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट शिवांगी मंगला की कोर्ट में हो रही थी। कोर्ट ने आरोपी को चेक बाउंस का दोषी करार दिया और अगली सुनवाई तक बेल बॉन्ड फरने का आदेश दिया था। इस फैसले के बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज से कहा- तू है क्या चीज, बाहर मिल। देखते हैं घर जिंदा कैसे पहुंचती है। घटना 2 अप्रैल की है। मुजरिम ने जज पर कोई चीज फेंकी लॉ वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, फैसला सुनाए जाने के बाद मुजरिम ने जज पर कोई चीज भी फेंकी। मुजरिम ने अपने वकील से कहा कि इस फैसले को अपने

पक्ष में लाने के लिए जो करना है करो। वकील ने भी जज को मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया।

दोनों महिला जज को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहा था। इसके बाद दोनों फिर बदतमीजी करने लगे और कहने लगे कि आरोपी को बरी किया जाए।

झारखंड में 8 नक्सलियों का एनकाउंटर

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। एनकाउंटर जिले के लुगू और झुमरा पहाड़ के बीच जंगली इलाके में हुई। झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुताबिक, मुठभेड़ में एक करोड़ रुपए का इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक भी मारा गया। अब तक कुल 8 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बाकी नक्सलियों की पहचान में जुटे हुए हैं। अभी और नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी है। सर्च ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल से एक रिवॉल्वर, 1 एसएलआर, 4 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों की नजर जवानों पर पड़ी और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी फायरिंग की। वहीं, डीजीपी ने कहा- दस्ते में 16-17 नक्सली शामिल थे। मृतकों में प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, अरविंद यादव उर्फ अविनाश, 10 लाख का इनामी साहेब राम मांझी की पहचान कर ली गई है। बाकी मृत नक्सलियों की पहचान की कोशिश जारी है।

पीएम मोदी की अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस संग मुलाकात जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पीएम मोदी के बीच मुलाकात जारी है। वेंस करीब 6ः30 बजे पीएम से मिलने उनके आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे। प्रधानमंत्री आज वेंस और उनके परिवार के लिए डिनर होस्ट करेंगे। इस दौरान वेंस विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात करेंगे। जेडी वेंस सोमवार को पत्नी उषा, बच्चों इवान, विवेक और मीराबेल के साथ 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। वेंस का प्लेन सुबह 9ः45 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें रिसीव किया। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वेंस, उनकी पत्नी और बच्चों के सामने कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश किया। इसके बाद वेंस परिवार के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर गए। वे वहां करीब 1 घंटे रुके। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है।अक्षरधाम मंदिर देखने के बाद जेडी वेंस ने कहा कि इतने प्यार और आदर के साथ मेरा स्वागत करने के लिए आपका धन्यवाद। ये मंदिर इतनी सुंदरता और बारीकी से बनाना भारत की खूबी दिखाता है।

महाराष्ट्र का चंद्रपुर सबसे गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में गर्मी का दौर जारी है। रविवार को 44.6 डिग्री के साथ महाराष्ट्र का चंद्रपुर जिला देश में सबसे गर्म रहा। राजस्थान में लगातार दूसरे दिन रविवार को तापमान में गिरावट देखने को मिली, लेकिन आने वाले 2 दिन तक हीटवेव का अनुमान है। मध्य प्रदेश के सीधी में रविवार को पारा 44ए के पार पहुंच गया, जबकि 40 शहर ऐसे रहे जहां तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। उधर, असम, मेघालय, मिजोरम अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को 23 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल समेत देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी आंधी-तूफान आने की आशंका है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। जम्मू-कश्मीर के रामबन में रविवार को बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर 20 फीट तक कीचड़, खुलने में 5-6 दिन लगेंगे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को बादल फटने और लैंडस्लाइड से इलाके में तबाही मच गई थी। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को हालात का जायजा लेने के लिए रामबन पहुंचे। खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान की मंजूरी ने मिलने पर उमर सड़क के रास्ते रामबन आए। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के बीच शाम करीब 5.30 बजे उमर रामबन पहुंचे और पैदल ही बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायता लेने निकल पड़े। वहीं, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर हाईवे (ह॥-44) पर 12 से ज्यादा जगहों पर भारी मात्रा में कीचड़ जमा है। कुछ जगह 20 फीट से ज्यादा कीचड़ जमा है। हाईवे फिर से खोलने में पांच से छह दिन लगने की संभावना है। हाईवे पर सैकड़ों ट्रक और वाहन अलग-अलग स्थानों पर फंसे हुए हैं। इसमें हजारों पर्यटक भी शामिल हैं। खराब मौसम और फ्लैश फ्लड के खतरे को देखते हुए रामबन के सभी स्कूल, कॉलेज आज बंद रहे। प्रशासन ने लोगों से यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। विधायक बोले- इस तरह की त्रासदी हमने कभी नहीं देखी स्थानीय विधायक अर्जुन सिंह राजू ने कहा- इस तरह की त्रासदी हमने कभी नहीं देखी। इस त्रासदी में प्रोपर्टी को जो नुकसान हुआ वो हुआ, लेकिन जो लोगों की जान गई वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हालांकि स्थिति अब धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और प्रशासन की पहली प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना और बंद सड़कों को दोबारा खोलना है।

जस्टिस वर्मा बेंच के मुकदमों की सुनवाई दोबारा होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा सुने जा रहे 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नए सिरे से होगी। हाई कोर्ट ने इसकी जानकारी एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिस में 52 मामलों की लिस्ट दी गई है, जिनमें सिविल रिट याचिकाएं भी शामिल हैं। ये मामले 2013 से 2025 तक के हैं। इनमें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित एनडीएमसी अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 22 याचिकाएं शामिल हैं। जस्टिस वर्मा से 23 मार्च को न्यायिक कार्यभार वापस ले लिए गए थे। इसके बाद से वकील इन मामलो को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी. के. उपाध्याय के सामने पेश कर रहे थे। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश मांग रहे थे। जस्टिस डी. के उपाध्याय ने वकीलों को सुझाव दिया था कि एक आवेदन उनके निजी सचिव या अदालत के रजिस्ट्रार जनरल को दें

नूंह में तब्लीगी जलसा खत्म,आखिरी दिन 10 लाख लोग आए

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में चल रहे तब्लीगी जमात के जलसे के आखिरी दिन सोमवार को 10 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। 21 एकड़ में लगाया गया टेंट छोटा पड़ गया। लोगों ने पार्किंग एरिया में भी नमाज पढ़ी। कार्यक्रम के बाद जमात के प्रमुख मौलाना साद ने जलसे की समाप्ति की घोषणा की। पंडाल के गेट पर सेव गाजा और इजराइली प्रोडक्ट्स के बायकॉट के बैनर लहराए गए। कुछ लोगों ने हाथ में बैनर लेकर इजराइल की फिलिस्तीन के खिलाफ की गई कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने बैनर पर लिखा- अगर हम जिहाद के लिए नहीं जा

सकते तो फिलिस्तीन को दुआ में जरूर याद रखना। पहले दिन जलसे में करीब 60 हजार लोग पहुंचे। दूसरे दिन करीब 6 लाख लोग आए। फिरोजपुर झिरका में अनाज मंडी के पीछे करीब 21 एकड़ भूमि में जलसे के लिए टेंट लगाया गया था। करीब 100 एकड़ भूमि में शौचालय, पार्किंग, खाना, मेडिकल से लेकर तमाम इंतजाम रहे। जलसे में लोगों को संभालने के लिए 5 हजार वॉलेंटियर ड्यूटी पर रहे। पुलिस कर्मचारियों ने जलसे के बाहर ड्यूटी दी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद दिल्ली-अलवर रोड पर लंबा जाम लग गया। ढाई घंटे तक वाहन रेंग रेंग कर चले।

राहुल अमेरिका में बोले- चुनाव में गड़बड़ी साफ दिख रही

बोस्टन (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के बॉस्टन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने रविवार शाम भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह साफ है कि भारतीय चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। इस सिस्टम में कुछ गड़बड़ी है। राहुल 2 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल गांधी शनिवार देर रात को अमेरिका के बॉस्टन एयरपोर्ट पर उतरे थे। वे यहां रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे, जहां वे फैकल्टी और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी ङ्क पर दी थी।

1. राहुल बोले- मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र में जितने बालिग नहीं हैं, उससे ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने हमें साढ़े पांच बजे वोटिंग का आंकड़ा बताया। इसके बाद 5ः30 से शाम 7ः30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई। 2. उन्होंने कहा कि 2 घंटे में 65 लाख वोटिंग नामुमकिन है। एक वोटर को वोट डालने में करीब 3 मिनट लगते हैं। अगर आप गणित लगाएंगे तो पता चलेगा कि रात 2 बजे तक वोटर्स की लाइन लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

3. कांग्रेस सांसद ने कहा- हमने चुनाव की वीडियोग्राफी मांगी तो आयोग ने साफ मना कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने कानून भी बदल दिया

ताकि हम आगे वीडियो के बारे में सवाल न कर सकें। राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी की भी प्रतिक्रिया भी आई है। बीजेपी नेता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बल्लेबाजों के निडर होकर खेलने से बड़े स्कोर बन रहे : पार्थिव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे पार्थिव पटेल ने कहा है कि बल्लेबालों के बैखौफ होकर खेलने से आईपीएल में स्कोपावरप्ले के दौरान काफी रन बन रहे हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज कहा कि पहले के समय में पावरप्ले में स्कोर 45 रन से अधिक नहीं होता था। इस सत्र में पार्थिव गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। पटेल ने कहा ,'' इसमें कोई संदेह नहीं कि आजकल बड़े स्तर पर रणनीति बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था।'' उन्होंने कहा ,'' उसके बाद 50 और फिर 55 से 60 तक हो गया। इसके बावजूद हालात को भी देखना पड़ता है। अगर आप चेन्नई में खेल रहे हैं तो 150 अच्छा स्कोर है और वहां टीम से पावरप्ले में 70 या 80 रन की उम्मीद नहीं की जाती।'' उन्होंने कहा ,'' परअगर सभी मैचों को देखें तो 70 रन बन रहे है। आप किन्हीं भी हालात में खेल पर बेंचमार्क 45 से ऊपर जाना तय हो गयहै।'' पटेल ने कहा ,'' अब बल्लेबाज जोखिम लेने में डरते नहीं हैं। वे बेखौफ होकर खेलते हैं। उनकी सहायता के लिये विशेषज्ञ भी उपस्थित हैं। हर कोई बल्लेबाज बड़े शॉट लगाने के इरादे से ही मैच में उतरता है।

स्टार्क की यॉर्कर गेंदबाजी ने बदला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 12 गेंदों में सभी 12 यॉर्कर डालकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की जीत में स्टार्क की भी अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से मैच पलट दिया। उसने अंतिम ओवरों में राजस्थान रॉयल्स को अपनी गेंदबाजी से ध्वस्त कर दिया। स्टार्क ने रॉयल्स के खिलाफ ऐसे सटीक यॉर्कर डाले कि उसके बल्लेबाजों को शॉट लगाने का कोई अवसर नहीं मिला जबकि इस मैच में रॉयल्स की टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। उसे अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल नौ रन की जरूरत थी पर स्टार्क पेसर ने सिर्फ आठ ही रन दिए, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर ने 06 और रियान पराग ने 04 रन बनाये। मिचेल स्टार्क ने इस ओवर में छह गेंद यॉर्कर फेंकी, जिसमें एक चौका हेटमायर और एक पराग ने लगाया पर पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। वहीं यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में दिल्ली को जीत के लिए 12 रन बनाने थे। दिल्ली की ओर से लोकेश राहुल ने नाबाद 07 और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 06 रन बनाये। रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा गेंदबाजी कर रहे थे। राहुल ने पहली गेंद पर दो रन लिए और फिर अगली गेंद पर चौका लगाया। वहीं स्टब्स ने चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

शेयर बाजार मे रही तेजी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी और बैंकिंग शेयरों में हुई भारी खरीददारी से सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा बढ़कर 79,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी तकरीबन 150 अंक उछलकर 24,000 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। वहीं एफएमसीजी और वाहन शेयरों में कमजोरी दिखी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 429 अंक (1.24फीसदी) की गिरावट दर्ज की गयी। कोरिया के कोस्पी में 2,484 के स्तर पर सपाट कारोबार हुआ। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.30 फीसदी की बढ़त रही और ये 3,286 पर कारोबार कर रहा था जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हो रहा है। अमेरिका का डाउ जोन्स 527 अंक (1.33 फीसदी) और नैस्डेक कंपोजिट 20 अंक (0.13 फीसदी) नीचे आया जबकि एसएंडपी 500 इंडेक्स 7 अंक (0.13फीसदी) की हल्की बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का कारण अमेरिका के अगले 90 दिनों तक टैरिफ न बढ़ाने की घोषणा के अलावा भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के आगे बढ़ने की संभावना है। अमेरिका ने चीन को टैरिफ में राहत नहीं दी गई है। इससे भारतीय निर्यातकों को बढ़त मिलना तय है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहे हैं।

17 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 4,667.94 करोड़ के शेयर खरीदे पर घरेलू निवेशकों ने 2,006.15 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस सप्ताह 14,670.14 करोड़ के शेयर खरीदे। डीएलएलएस ने 6,470.52 करोड़ के शेयर बेचे। बाजार में 2 फीसदी तक तेजी देखने को मिली शेयर बाजार में गत सप्ताह गुरुवार, 17 अप्रैल को गिरावट के बाद बड़ी तेजी रही थी और ये बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण छुट्टी थी। इस प्रकार तीन दिन बाद आज बाजार खुला है।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

● समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया

मुंबई (एजेंसी)। भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमेरिका भी शामिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है। समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी। इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की अप्रैल से जनवरी अव में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।'' हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

मुंबई ने चेन्नई को 09 विकेट से हराया, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार दोनों ने फिफ्टी लगाई

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के 38वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हरा दिया। मुंबई ने 18वें सीजन में लगातार तीसरा मैच जीता। चेन्नई ने 5 विकेट खोकर 176 रन बनाए। मुंबई ने 15.4 ओवर में 1 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई ने मुंबई इंडियंस को 177 रन का लक्ष्य दिया। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। चेन्नई ने 5 विकेट खोकर 176 रन बनाए। शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा दोनों ने फिफ्टी लगाई। कप्तान एमएस धोनी 4 रन ही बना सके। मुंबई से जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और जैमी ओवर्टन ने पारी के 20वें ओवर में ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ 16 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने टीम का स्कोर 176 रन तक पहुंचा दिया। शिवम दुबे ने 50 और रवींद्र जडेजा ने 53 रन बनाए। मुंबई से जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने 20वें ओवर में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने ट्रेंट बोल्ट के ओवर की चौथी गेंद पर चौका लगाया और 34 गेंद पर हाफ सेंचुरी पूरी की।

बीसीसीआई ने सालाना केन्दीय अनुबंध घोषित किये, श्रेयस और ईशान की वापसी

कई नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2024-25 के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 34 खिलाड़ियों को रखा गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की वापसी हुई है जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को प्रमोट किया गया है। अय्यर और ईशान को पिछले साल केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद श्रेयस ने काफी अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की जिससे बाद से ही उन्हें अनुबंध मिलना तय माना जा रहा था। वहीं ईशान की अब तक टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई है और घरेलू स्तर पर भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, ऐसे में उनको अनुबंध मिलना हैरानी की बात है। बीसीसीआई के अनुसार टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा सबसे ऊपर ए प्लस ग्रेड में बने रहेंगे। श्रेयस को ग्रेड बी और ईशान को ग्रेड सी में रखा गया है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को को लाभ हुआ है और वह बी से ग्रेड ए में प्रोमोट हुए हैं। ऋषभ ने वापसी के बाद काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उन्होंने प्रभावित किया था। इसके अलावा वरुण चक्रवर्ती, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे नए खिलाड़ियों को भी अनुबंध में शामिल किया गया है।

- ग्रेड ए प्लस- रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा
- ग्रेड ए - मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत
- ग्रेड सी - रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसीद कृष्ण, रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, नितीश कुमार रेड्डी। ▸ वेतन - ग्रेड ए प्लस में 7 करोड़ रुपए जबकि ग्रेड ए में 5 करोड़ रुपए और ग्रेड बी में 3 करोड़ रुपए व ग्रेड सी में एक करोड़ रुपए दिये जाते हैं।
- ग्रेड बी -सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट

सोने का भाव 97,700 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी लगभग 99,900 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। बीते हफ्ते शुक्रवार की तुलना में सोना सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर राज्यों में सोने का भाव 97,700 रुपये के ऊपर ही कारोबार कर रहा है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वार के कारण सोना नए पीक लेवल के आसपास ही कारोबार कर रहा है। चांदी का भाव 99,900 रुपये पर है।

चांदी के भाव बीते शुक्रवार के भाव के आसपास ही कारोबार कर रहे हैं। सोमवार 21 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 22 कैरेट सोने का दाम 89,590 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। मुंबई में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार की तुलना में सोने के भाव में मामलूी करेक्शन आया है। बीते हफ्ते दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 97,730 रुपये था। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और टैक्स की लड़ाई की वजह से सोने की कीमतों में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। वैश्विक बाजार में सोना फिर से महंगा हो गया है, जिससे भारत में भी इसकी कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। विशेषज्ञ का कहना है कि अगर बाजार में हालात सामान्य रहते हैं तो अगले 6 महीने में सोने की कीमत करीब 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक रह सकती है, लेकिन अगर अमेरिका-चीन का टैरिफ विवाद और बढ़ा, तो सोना 1,38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक भी जा सकता है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 33 पैसे बढ़कर 85 पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। ट्रंप के विभिन्न देशों पर लगाए गए आयात शुल्क के बाद डॉलर सूचकांक के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंचने के कारण रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 33 पैसे की बढ़त के साथ 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू संकेतकों में उत्साहवर्धक सुधार तथा वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव के कारण पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में भारतीय रुपये में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे रुपया मजबूत बना हुआ है, जबकि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता का माहौल है।

नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो जल्द होगा का लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में ऑनर कंपनी 23 अप्रैल को अपने नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो को लॉन्च करने जा रहा है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन द्वारा वीबो पर की गई एक पोस्ट में इस स्मार्टफोन के बारे में जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया कि इस फोन ने अंतूतू बेंचमार्क पर 3,444,323 पॉइंट्स हासिल किए हैं, जो किसी भी डिवाइस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा स्कोर हो सकता है। हालांकि टिपस्टर ने फोन का नाम स्पष्ट नहीं किया, लेकिन पोस्ट में दिख रहे स्टेटस बार के एलिमेंट्स से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह हॉनर जीटी प्रो ही हो सकता है। इसके साथ ही इस स्मार्टफोन की प्री-ऑर्डर लिस्टिंग भी चीन में शुरू हो चुकी है, जो चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा - 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी, 16जीबी प्लस512जीबी और 16जीबी प्लस 1टीबी। फोन में 144एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले होगा, जो यूजर्स को स्मूथ और फास्ट विजुअल एक्सपीरियंस देगा। इसके साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-स्क्रीन फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। प्रोसेसर के तौर पर इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट होगा, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। स्मार्टफोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, जिससे डाटा ट्रांसफर और मल्टीटास्किंग बहुत तेज होगी। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा होगा, जिसमें एलईडी फ्लैश और एक टेलिफोटो लेंस भी शामिल होगा। बैटरी के मामले में यह फोन 6000एमएएच या उससे बड़ी बैटरी के साथ आएगा, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

टेस्ला के नए फेसलिफ्टेड मॉडल वाय का मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हुआ टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में, टेस्ला के नए फेसलिफ्टेड मॉडल वाय को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर टेस्ट करते हुए देखा गया। इस टेस्ट म्यूल में टेस्ला की नई डिजाइन और तकनीकी विशेषताओं का स्पष्ट संकेत मिलता है, जो भारतीय बाजार के लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है। टेस्ला मॉडल वाय अब पुराने मॉडल की तुलना में और अधिक आकर्षक और विशिष्ट डिजाइन के साथ पेश किया जाएगा। इसमें साइबर्ट्रक-प्रेरित डीआरएलएस, नया बोनट, फ्रंट बम्पर और टेललाइट डिज़ाइन जैसी विशेषताएँ हैं। इसके साथ ही 19-इंच और 20-इंच के नए अलॉय व्हील्स भी जोड़े गए हैं, जो कार के लुक को और भी बेहतर बनाते हैं। टेस्ला ने कार के इंटीरियर्स में न्यूनतम डिज़ाइन रखा है, लेकिन कुछ नई सुविधाएँ जोड़ी गई हैं, जैसे नई सीट फैब्रिक्स और फ्रंट सीटों के लिए वेंटिलेशन। इसके अलावा, एक नया 8-इंच टचस्क्रीन जोड़ा गया है, जो एसी, संगीत, और गेम्स जैसे कार्यों को नियंत्रित करता है। मॉडल वाय की कीमत भारतीय बाजार में लगभग 35-40 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। टेस्ला की भारत में एंट्री के बाद, भारतीय ईवी निर्माता महिंद्रा और टाटा को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।इस नए मॉडल वाय के पावरट्रेन विकल्प में दो बैटरी पैक उपलब्ध होंगे, एक 62.5 केडब्ल्यूएच और दूसरा 78.4 केडब्ल्यूएच। छोटी बैटरी के साथ 295 बीएचपी की पावर और लंबी रेंज मिलेगी, जबकि बड़ी बैटरी के साथ डुअल-मोटर सेटअप और 444 बीएचपी की पावर होगी।

कोयला एक्सचेंज पर नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा बढ़ी

कोयला मंत्रालय ने अंतिम तिथि छह अप्रैल, से बढ़ाकर सात मई करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कोयला व्यापार एक्सचेंज को लेकर प्रस्तावित नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा सात मई तक के ??लिए बढ़ा दी है। इस एक्सचेंज से जिंस के रूप में कोयले का कारोबार ?किया जा सकेगा। कोयला मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा ?कि मंत्रालय ने सार्वजनिक परामर्श के लिए कोयला व्यापार एक्सचेंज पर प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया था। कोयला मंत्रालय ने टिप्पणियां या सुझाव देने की अंतिम तिथि छह अप्रैल, 2025 से बढ़ाकर सात मई, 2025 करने का निर्णय लिया है। कोयला मंत्रालय ने प्रस्तावित एक्सचेंज के लिए कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को नियामक के रूप में सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में देश में कोयला बिक्री चैनल विशिष्ट रूप से कोल इंडिया लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के लिए है। इसलिए एक मंच यानी कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज (सीटीई) प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि वाणिज्यिक, खुद के उपयोग के लिए कोयला खनन करने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद को बाजार में लाने के लिए आसान पहुंच मिल सके। यह एक्सचेंज जिंस के रूप में कोयले के व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा।

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की रूजर बाइक एलिमिनेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस क्का पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कॉपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्वर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशनें शामिल हैं।

बजरंग नगर में देर रात चली गोली, जेल से छूटकर बहार आया अपराधी घायल, जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के बजरंग नगर में रविवार की देर रात गोली चलने की घटना सामने आई है। इस वारदात में सत्यम तिवारी नामक युवक घायल हुआ है। गोली युवक की पीठ में लगी है, जिसे तत्काल इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची अमहिया थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सत्यम तिवारी अनंतपुर का रहने वाला है। उसके साथ मौजूद विनय कुमार दीपांकर ने बताया कि दोनों सिरमौर चौराहे से होकर बस स्टैंड गए थे। वहां से लौटते समय बजरंग नगर गेट के पास वो एक किराना दुकान पर रुके। दुकान से कुरकुरे और चॉकलेट खरीदकर जैसे ही बाइक पर बैठने लगे, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली सीधे सत्यम की पीठ में लगी। घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है।

नगर पुलिस अधीक्षक शिवाली चर्तुवेदी ने बताया कि घटना को लेकर घायल ने अभी कुछ भी नहीं बताया है। सीसीटीवी फुटेज भी देखे जा रहे हैं। घायल पर तकरीबन 30 तरह के अपराध दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक सत्यम तिवारी पर हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियारों की तस्करी समेत अन्य अपराध पुलिस रिकार्ड में दर्ज हैं। इसका मुख्य पेशा ही अवैध हथियरों की तस्करी से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। वह पूर्व में दर्ज अपराधों के चलते जेल में बंद था और हाल ही में जेल से छूटा है। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि गोली चलने की घटना सामने आई है। घायल युवक सत्यम तिवारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सत्यम तिवारी अनंतपुर का रहने वाला है। उसके साथ मौजूद विनय कुमार दीपांकर ने बताया कि दोनों सिरमौर चौराहे से होकर बस स्टैंड गए थे और वहां से लौटते वक्त बजरंग नगर गेट के पास एक किराना दुकान पर रुके। वे दुकान से कुरकुरे और चॉकलेट खरीदकर जैसे ही बाइक पर बैठने वाले थे, तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और एक राउंड फायरिंग कर दी। गोली सीधे सत्यम की पीठ में लगी। घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है।

घटना की पुष्टि करते हुए अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने कहा कि गोली चलने की घटना सामने आई है। घायल युवक सत्यम तिवारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस टीम अस्पताल पहुंची है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। जांच के बाद ही आरोपियों के बारे में जानकारी मिल पाएगी।

सतना में 3 बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी से की मारपीट

सुरक्षा गार्ड की बंदूक छीनने की कोशिश की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना के नजीराबाद बाईपास स्थित पेट्रोल पंप पर रविवार की रात तीन बदमाशों ने पेट्रोल पंप में लूट का प्रयास किया। घाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में हुई।

लाल रंग की अपाचे में पहुंचे बदमाशों ने पहले पेट्रोल भर रहे कर्मचारी से विवाद शुरू किया। फिर कर्मचारी से मारपीट की। जब कर्मचारी इरफान और सुरक्षा गार्ड ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो बदमाशों ने धारदार हथियार से इरफान पर हमला कर दिया। इस हमले में इरफान गंभीर रूप से घायल हो गया।'

बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी से पैसों से भरा बैग छीनने और सुरक्षा गार्ड की बंदूक छीनने की कोशिश भी की। हालांकि, वो ऐसा नहीं कर पाए।

पूरी घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पंप संचालक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सोमवार सुबह कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी राबेन्द्र द्विवेदी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सैनिक स्कूल परिसर में लगी आग, मचा हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सैनिक स्कूल परिसर में लगी आग से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि किसी असामाजिक तत्व ने स्कूल की बाउंड्री वाल के भीतर आग लगा दी। स्कूल परिसर में घने पेड़ों और झाड़ियों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और करीब एक से डेढ़ एकड़ में आग फैल गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड और स्कूल प्रबंधन ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि स्कूल परिसर के जिस हिस्से में आग लगी वहां घने पेड़ और झाड़ियां हैं। जिसकी वजह से आग चारों ओर फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए दो दमकलों की मदद ली गई।

युवक को पीट-पीटकर अधमरा छोड़ा, अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, 11 मामलों में था आरोपी

पुलिस ने 4 संदेहियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 11 मामलों के आरोपी को पीट-पीटकर गंभीर घायल कर दिया। सोमवार दोपहर इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पूरा घटनाक्रम चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरैया गांव का है। दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद ने इतना तूल पकड़ा की दूसरे पक्ष के लोगों ने गांव के दबंग और कई आपराधिक मामलों में आरोपी युवक विकास द्विवेदी उर्फ पिंटू परौहा को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया।

घटना की जानकारी चोरहटा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। खून से लथपथ युवक को संजय गांधी अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम में हत्या का मामला दर्ज करते हुए तीन से चार संदेहियों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

एसपी विवेक सिंह ने बताया कि, युवक के खिलाफ लगभग दर्जन भर मामले शहर के विभिन्न स्थानों में दर्ज हैं। किसी बात को लेकर बदमाश और अन्य ग्रामीणों के बीच कहां सुनी हुई और नौबत मारपीट तक पहुंच गई। पुलिस ने पूरे मामले में घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर लिए हैं, जिनके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सिंगरौली में बारातियों से भरी पिकअप पलटी, 12 लोग घायल

तीन की हालत गंभीर, गाड़ी में 30 लोग सवार थे, माडा इलाके की घटना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिंगरौली जिले में सोमवार सुबह 11 बजे छतकर्म गांव के पास बारातियों से भरी पिकअप गाड़ी पलट गई। हादसे में 12 लोग घायल हो गए, जबकि 3 लोगों को गंभीर चोट आई है।

माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा के अनुसार, करीब 30 बाराती करकोसा गांव से धनहरा गए थे। वापसी के दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया, जिससे हादसा हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से बैढ़न के ट्रॉमा सेंटर भेजा। 12 घायलों को हाथ, पैर, सिर और जबड़े में चोट आई है। घायलों में संजय कुमार शाह 15 वर्ष, अजय शाह 16 वर्ष, श्यामलाल शाह 50 वर्ष, हरिशंकर शाह 18 वर्ष, उमाशंकर शाह 16, रवि नारायण शाह 18 वर्ष, अजय शाह 18 वर्ष, जोखई शाह 24 वर्ष, छोटेलाल शाह 70 वर्ष, विमलेश शाह 17 वर्ष, सरजू शाह 26 वर्ष, अजय शाह 24 वर्ष शामिल हैं जबकि राम प्रसाद साह 45 वर्ष, संदीप शाह 26 वर्ष और अखिलेश शाह 20 वर्ष की हालत गंभीर है।

हादसा के बाद ड्राइवर फरार: हादसे के बाद नशे में चूर ड्राइवर बिहारी शाह मौके से फरार हो गया। बारातियों ने बताया कि ड्राइवर बारातियों में से ही है। इसलिए ड्राइवर नशे में था। इस बात को छिपाया जा रहा है। बारातियों ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि ड्राइवर सुबह से ही शराब पीने लगा था। मना करने पर कहा कि मेरा यह रोज का काम है। गाड़ी कोई पहली बार नहीं चला रहा हूं। कोई दिक्कत नहीं होगी।

सड़क पर पड़ा मिला युवक का शव और बाईक, हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खांभा के समीप एक युवक का शव सड़क पर पड़ा मिला है। पास में ही युवक की बाइक भी मिली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। मृतक आकाश शुक्ला निवासी चाकघाट के परिजनों ने बताया कि बीती रात्रि आकाश ग्राम खांभा के समीप निमंत्रण में गया हुआ था। लेकिन रात करीब 3 बजे पुलिस को आकाश का शव सड़क किनारे पड़ा मिला, जिसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने युवक के शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि बारात से लौटते समय अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर घटना को हादसे का रूप देने का प्रयास किया है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान यूनियन ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। जिसमे मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण विधेयक, गेहूँ खरीदी केन्द्र में अनियमितता, आवारा मवेशियों की समस्या सहित अन्य मांगो को रखा गया। साथ ही प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो संगठन द्वारा बड़ा आन्दोलन किया जायेगा।

'मेरा ईकेवायसी ऐप' से राशन के पात्र हितग्राही खुद कर सकते हैं ई-केवायसी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में पीडीएस अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिए 9 से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है।

हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन पर ई-केवायसी की सुविधा भी उपलब्ध करायी जा रही है। इसके लिए "मेरा ई-केवायसी" ऐप प्रदेश में लांच किया गया है। इस ऐप के माध्यम से राशन लेने वाले वृद्ध, दिव्यांग एवं बच्चों सहित कोई भी हितग्राही किसी भी एन्ड्राइड मोबाईल फोन से अपना और अपने परिजन का आधार नम्बर ओटीपी दर्ज करके घर बैठे ई-केवायसी कर सकते हैं। ऐप के साथ ही राशन लेने वाले हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर जिले में गांव और वार्ड स्तर पर ई-केवायसी कराने के लिए शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविर में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, वार्ड प्रभारी, ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक के दल द्वारा पीओएस मशीन को शिविर में ले जाकर हितग्राहियों के अंगूठे लगाकर उनकी ई-केवायसी की जा रही है। खाद्य मंत्री ने प्रदेश के सभी राशन लेने वाले हितग्राही, जिन्होने अभी तक ई-केवायसी नहीं करवाई है, उन सभी से अपील की है कि अभियान के तहत मोबाईल फोन अथवा पीओएस मशीन से अतिशीघ्र अपनी और अपने परिवारजनों की शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करायें। इससे मई माह से सुविधापूर्वक राशन प्राप्त हो सकेगा।

महुआ बीनने गए वृद्ध पर भालुओं ने किया हमला, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अतरैला वन परिक्षेत्र अंतर्गत बौलिया घाट के [ड्डस्रस्र] जंगल में महुआ बीनने गए वृद्ध पर भालुओं के झुंड ने प्राणघातक हमला कर दिया। जिससे वृद्ध के शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। जिन्हे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम हरदहाई टोला देवखंड निवासी राम नक्षत्र मिश्रा तड़के करीब 3 बजे बौलिया घाटी के जंगल में महुआ बीनने गए थे। जब वह महुआ बीन रहे थे, तभी करीब आधा दर्जन भालुओं ने उन पर एक साथ हमला बोल दिया। किसी तरह उन्होंने भालुओं के बीच से निकलकर अपने आप को बचाया। गंभीर रूप से घायल राम नक्षत्र को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में तत्परता बरतें

समय सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण न होने पर संबंधितों के विरूद्ध लगेगा अर्थदण्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समय सीमा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में तत्परता बरतें। किसी भी विभाग को सी या डी श्रेणी में नहीं रहना चाहिए समाधान ऑनलाइन के राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के तथ्यपरक जबाव न प्रस्तुत करने पर नाराजगी व्यक्त की तथा सीएमएचओ को निर्देशित किया कि संबंधित बीएमओ के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने पीएचई विभाग की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ तत्काल निराकृत करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री को दिये। उन्होंने राजस्व विभाग में हुजूर तहसील में लंबित शिकायतों पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा अभियान चलाकर इनके निराकरण के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी तहसील ए श्रेणी से नीचे न रहे अन्यथा संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने पीडीएस अन्तर्गत उचित मूल्य दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के ईकेवायसी कराने के निर्देश दिये। समग्र धारकों का आधार लिकिंग कार्य को गति देने के निर्देश कलेक्टर द्वारा बैठक में दिये गये। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों का शत प्रतिशत ईकेवायसी करायें। उन्होंने अनुभाग के एसडीएम को निर्देशित किया कि विषमता वाले परिवारों का सत्यापन कराने हेतु बैठक लेकर अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित करें तथा प्रति दिवस की प्रगति से अवगत करायें। बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण कर छाया, पानी सहित अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जिन कार्यों के टीएस एवं एएस शेष हैं उन्हें 25 मई तक अनिवार्यतः जारी करें। सीएम डैशबोर्ड की विभागवार प्रगति का निराकरण करें ताकि जिले की ग्रेडिंग में अपेक्षित सुधार रहे। कलेक्टर ने जनसुनवाई के प्रकरणों का निराकरण करने तथा ई आफिस के आनबोर्ड शेष विभागों को आनबोर्ड करने के निर्देश दिये।

बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, समस्त एसडीएम जनपद के सीईओ, तहसीलदार तथा विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीआई मऊगंज में 25 अप्रैल को होगा युवा संगम कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मऊगंज में 25 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया है। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 6 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता तथा आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल, डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा तथा प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।